हरिभूमि
रायपुर भूमि

महापौर परिषद का कार्यकाल समाप्त, 29 साल बाद रायपुर निगम प्रशासक के हवाले

- मेयर कक्ष में पहुंच गई प्रशासक के नाम की पट्टिका
- कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह बतौर प्रशासक रायपुर नगर निगम की संभालेंगे कुर्सी
- महापौर कक्ष से समेटने लगे सामान, परिसर की धुलाई और पुताई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर और उनकी परिषद का कार्यकाल 5 जनवरी को खत्म हो रहा है। 6 जनवरी से नगर निगम की व्यवस्था बदलेगी। नगर निगम में 29 साल बाद प्रशासक बैठने वाला है। जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के प्रशासक वाली नाम पट्टिका शनिवार दोपहर गांधी सदन स्थित मेयर कक्ष में पहुंचा दी गई। वहीं कक्ष से लगे हैंगिंग गार्डन वाले एरिया की एक अरसे बाद धुलाई करने मुख्यालय के सफाई कर्मचारी जुटे रहे। इस बीच महापौर एजाज ढेबर अपने परिषद के सदस्यों के साथ कार्यकाल की उपलब्धियां साझा करने मीडिया से मुखातिब हुए।

रायपुर नगर निगम में 6 जनवरी से प्रशासक नगर निगम की व्यवस्था संभालेंगे। शनिवार से इसकी तैयारी शुरू हो गई। विदित हो कि 1985 से 1995 तक एक दशक तक रायपुर नगर निगम की बागडोर प्रशासकों के हाथ में रही। उसके बाद एक अरसे बाद ▸▸शेष पेज 13 पर

अवकाश के दिन समेटते रहे दस्तावेज दीवारों का लुकअप बदलेगा

महापौर का कार्यकाल समाप्त होने से पहले शनिवार को अवकाश का दिन होने के बावजूद कक्ष में पुराने फाइल व दस्तावेजों को समेटने का काम चलता रहा। एमआईसी सदस्यों के लिए रखी गई स्पेशल कुर्सी को हटाकर छोटे आकार की सामान्य कुर्सी कक्ष में व्यवस्थित की गई। वहीं मेयर के चैंबर में गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का लोगो बदलने की तैयारी है। इसकी जगह नगर निगम रायपुर वाला नया लोगो दीवार पर नजर आएगा। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष ने एक दिन पूर्व ही कक्ष से अपने ▸▸शेष पेज 13 पर

लग गए ताले

खबर संक्षेप

रविवि के हॉस्टल से लापता छात्रा मथुरा में मिली

रायपुर। पं. रविशंकर यूनिवर्सिटी के हॉस्टल से लापता हुई छात्रा को पुलिस ने ढूंढ निकाला। पुलिस ने छात्रा को मथुरा से बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, छात्रा अपने परिचितों के तानों से तंग आकर 7 दिसंबर को हॉस्टल से बिना किसी को बताए भागकर ट्रेन से वृंदावन मथुरा चली गई थी। भागने से पहले हॉस्टल के कमरे को बाहर से ताला लगाकर चाबी कमरे के अंदर फेंक दी थी। इस कारण छात्रा के लापता होने पर कई सवाल भी उठने लगे थे, लेकिन पुलिस ने जब छात्रा की फोटो के साथ उसके लापता होने की खबर सोशल मीडिया में वायरल की तो वृंदावन मथुरा से सूचना मिली कि हॉस्टल से लापता छात्रा को वहां देखा गया है। इसके बाद सरस्वती नगर पुलिस टीम तत्काल वृंदावन मथुरा के लिए रवाना हुई और गुम छात्रा को वहां से बरामद किया।

निगरानी और आदतन गुंडे-बदमाश थाने तलब

रायपुर। पुलिस अधीक्षक लाल उमेंद सिंह के निर्देश के तहत शहर के निगरानी और आदतन गुंडे-बदमाशों को थानों में बुलाकर उनकी हिस्ट्री के बारे में थाने में पदस्थ पुलिस अधिकारी-कर्मियों को जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में पिछले दो दिन में आजाद चौक थाने में निगरानी बदमाश शेख जाकिर, शेख शाहरुख एवं गुण्डा बदमाश गजानंद साहू, पिंकू उर्फ मोटा, गोलू रगड़े, शीतल सोनी, बंशी साहू, राज ठाकुर, पप्पू उर्फ फद्दनदीप, सैय्यद नियामू उर्फ बाबू, सैफ खान, गोपी निषाद, मुकेश साहू, मयंक तिवारी को बुलाकर उनके द्वारा किए गए अपराध और तरीकों के बारे में पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को जानकारी दी गई।

चाकू लहराकर दहशत फैलाते बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। आजाद चौक पुलिस ने एक युवक को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को शनिवार को सूचना मिली कि रामकुण्ड शाकम्भरी मंदिर के पास एक युवक चाकू हवा में लहराते हुए आम लोगों को आतंकित करते घूम रहा है। पुलिस ने सूचना पर मौके पर पहुंचकर आरोपी को चाकू के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी सत्यम नेताम रामकुंड का निवासी है।

कई और महिलाओं के संपर्क में थीं मां-बेटी, लड़का चोरी करने की नीयत से मेलजोल बढ़ाया

बच्चा चोरी करने वाली मां-बेटी ने खुद का बच्चा बेचा प्रयागराज में, दो दिन से अस्पताल में कर रही थीं रेकी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

आंबेडकर अस्पताल में बच्चा चोरी की घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। अस्पताल की सुरक्षा चार लेयर में की गई है। बावजूद इसके सुरक्षा कर्मियों की नाक के नीचे से शातिर मां-बेटी प्रसूति वार्ड नंबर छह से बच्चा चोरी कर ले जाने में कामयाब रहीं। बच्चा चोरी की घटना के बाद अस्पताल के सुरक्षाकर्मी बच्चे की पतासाजी करने के बजाय बच्चे की मां, उसकी दादी तथा बुआ की गलती निकाल कर अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आए।

अस्पताल से बच्चा चोरी की घटना को कोतवाली सीएसपी योगेश साहू ने गंभीर लापरवाही मानते हुए अस्पताल का सुरक्षा आडिट करने की बात कही। बच्चा चोरी का जो सीसीटीवी फूटेज सामने आया है, वह कई सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल करने के बाद मिला है। आंबेडकर अस्पताल में लगे ज्यादातर सीसीटीवी कैमरे खराब हैं। इस वजह से पुलिस को सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल करने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

चंद मिनट की देर होती तो छूट जाती ट्रेन

नवजात को रिकवर करने में पुलिस अगर रेलवे स्टेशन पहुंचने में थोड़ी सी देर करती, तो आरोपी पुलिस को चकमा देकर आसानी से फरार हो सकते थीं। पुलिस के पास बच्चा चोरी करने वाली महिलाओं के हुलिया तथा उनके पहनावा के अलावा कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस जब रेलवे स्टेशन पहुंची, उसी समय बिलासपुर जाने एक ट्रेन प्लेटफार्म नंबर पांच पर पहुंची। पुलिस रेलवे स्टेशन के गेट नंबर तीन के रास्ते प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुंची और बच्चा चोरी करने वाली महिलाओं को मौके से गिरफ्तार करने में कामयाब रही।

आंबेडकर अस्पताल से नवजात की चोरी, बेचने जा रही महिला गिरफ्तार

- बच्चा चोरी करने के आरोप में मां-बेटी गिरफ्तार
- बच्चे को चोरी करने के बाद बेचने की फिराक में थे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राज्य के सबसे बड़े सरकारी आंबेडकर अस्पताल में शनिवार को एक दिन के नवजात की चोरी होने की सनसनीखेज वारदात हुई। पुलिस की सतर्कता के कारण

सतर्कता की वजह से पकड़े गए

प्रयागराज में बेटी के बच्चे को बेचे जाने की खबर

बच्चा चोरी करने के आरोप में पुलिस ने जिन दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है, उनमें रानी नाम की महिला पर आरोप है कि उसने अपनी बेटी के एक बच्चे को उत्तरप्रदेश, प्रयागराज में बेचा है। पुलिस इस संबंध में पतासाजी करने की बात कह रही है। रानी की बेटी पायल की एक तीन-चार साल की बेटी है।

जान-पहचान बढ़ाने ऐसे झांसे में लिया

बच्चे की मां, उसकी ननद तथा सास ने पुलिस को बताया है कि रानी उनके पास पहुंची और अपनी बहू का बड़ा ऑपरेशन और शिशु के मृत होने का झांसा देकर सहानुभूति बटोरी। इस पर नीता की सास तथा ननद ने रानी को दिलासा देते हुए दोनों मां-बेटी को खाना खिलाने के साथ अपने पास रखे फल खाने के लिए दिए।

प्रसूति वार्ड में कई महिलाओं के संपर्क में थे

प्रसूति वार्ड में भर्ती महिलाओं के परिजनों के अनुसार बच्चा चोरी कर ले जाने वाली महिलाएं प्रसूति वार्ड में कई महिलाओं के संपर्क में थीं। भर्ती महिलाओं के परिजनों के अनुसार बच्चा चोरी के आरोप में पकड़ी गई महिलाएं प्रसूति वार्ड में जिन महिलाओं का बच्चा हुआ है, उनसे जाकर दोनों बच्चों के बारे में पूछती थीं। साथ ही पता लगाती थीं कि उनका बच्चा लड़का है या लड़की।

चोरी करने लड़के की तलाश

रानी तथा उसकी बेटी ने जो बच्चा चोरी किया है, वह लड़का है। प्रसुति वार्ड में जिन महिलाओं ने दो दिन में जो बच्चे जन्म दिए हैं, उनके लिंग के बारे में जानकारी हासिल करने से साबित होता है कि बच्चा चोरी करने वालीं लड़के की तलाश में थीं। नव प्रसूता के साथ उनकी ननद तथा सास थी। इस वजह से रानी तथा उसकी बेटी को नीता का बच्चा आसान टार्गेट लगा और मौका पाकर बच्चे को चोरी कर साथ ले गए।

पहचान बढ़ाने के बाद की बच्चे की चोरी

नवजात की बुआ गायत्री ने पुलिस को बताया कि तीन जनवरी को उसकी भाभी नीता की डिलीवरी हुई। इसके बाद रानी तथा उसकी बेटी उन्हें बधाई देते हुए जान पहचान बढ़ाते हुए उनके साथ घुल मिल गईं। रानी तथा पायल ने बच्चे को अपनी गोद में लेकर खिलाने के साथ दूध पिलाने का भी काम किया। गायत्री के अनुसार दो दिन की जान पहचान के बाद मौका देख कर शनिवार को दोनों मां-बेटी उन्हें चकमा देकर मां की गोद से बच्चा चोरी कर ले गईं।

उलझाने के बाद बच्चा चोरी कर ले गए

बच्चा चोरी करने पायल तथा रानी ने नीता की सास को आंबेडकर अस्पताल की ऊपरी मंजिल में किसी के बुलाए जाने की बात कह कर वार्ड से चलता कर दिया। इसी बीच गायत्री फ्रेश होने के लिए वाशरूम गई। इसका फायदा उठाते हुए पायल तथा रानी ने नीता से उसकी गोद में रखे बच्चे को खिलाने के बहाने उठा लिया। इसके बाद दोनों मां-बेटी टहलते हुए बच्चे को अपने साथ लेकर फरार हो गईं। काफी देर तक बच्चे के वापस नहीं आने पर नीता ने अपनी सास तथा ननद को इसके बारे में जानकारी दी, तब बच्चा चोरी होने का खुलासा हुआ।

चौबीस घंटे ठहरा रहा पारा अब दो दिन चढ़ने की उम्मीद, कम होगी ठंड

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

बादल छाने से पहले प्रदेश के मौसम में ठहराव की स्थिति बनी रही। चौबीस घंटे में तापमान स्थिर रहने की वजह से ठंड महसूस होती रही। अब पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले दो दिन पारा चढ़ने की उम्मीद है। अभी बलरामपुर समेत आसपास शीतलहर की स्थिति बनी हुई है।

- बलरामपुर समेत आसपास शीतलहर का दौर

ठंड के उतार-चढ़ाव के बीच जनवरी का पहला सप्ताह बीतने को है। प्रदेश में पिछले तीन दिन से ठंड पड़ रही है, खासकर सरगुजा संभाग के बलरामपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में तापमान पांच से छह डिग्री के बीच होने की वजह से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रायपुर समेत मध्य और जगदलपुर समेत पूरे बस्तर का तापमान भी सामान्य अथवा उससे नीचे है। पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के मौसम में ▸▸शेष पेज 13 पर

दिल्ली की दोपहर फ्लाइट कैंसिल

दिल्ली में धुंध की वजह से वहां से संचालित होने वाली विभिन्न शहरों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। दिल्ली से दोपहर 1.45 बजे रायपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट शनिवार को स्थगित रही। शुक्रवार को शाम को संचालित होने वाली एक उड़ान का संचालन नहीं हुआ था, इसकी सूचना कुछ घंटे पहले दी गई थी। इसकी वजह से कई यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था।

पिछले बरस 12.6 तक लुढ़का पारा

मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल जनवरी का न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का था। यह स्थिति जनवरी के अंतिम सप्ताह में बनी थी, इस बार पहले सप्ताह में पारा 12.9 डिग्री तक जा चुका है। जनवरी में अभी तीन सप्ताह शेष है। अनुमान है कि दूसरे और तीसरे सप्ताह में ठंड का दौर आएगा उस दौरान इस साल में जनवरी का न्यूनतम तापमान रिकार्ड होगा।

मुकेश की हत्या के विरोध में पत्रकारों ने दिया धरना, राजभवन तक शांति मार्च

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की नृशंस हत्या के विरोध में शनिवार को पत्रकारों ने राजधानी के प्रेस क्लब के बाहर धरना दिया। इसके बाद राजभवन तक शांति मार्च निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए। जयस्तंभ चौक पर कैंडल जलाकर दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्रकार उस समय नाराज हुए जब जिला प्रशासन और पुलिस के ▸▸शेष पेज 13 पर

- आंबेडकर प्रतिमा के समक्ष मौन रखकर पत्रकार साथी को दी श्रद्धांजलि

प्रेस क्लब के बाहर दिया धरना

एकमात्र शासकीय डेंटल कालेज की अनदेखी, ओपीडी के भरोसे चल रहा इलाज

प्रदेश का इकलौता डेंटल कालेज... दांत तोड़ते हैं, जबड़ा लगाने की सुविधा नहीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ के इकलौते शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय का अजब हाल है। यहां दांत तोड़ने और सामान्य बीमारियों का इलाज किया जाता है। लेकिन जबड़ा लगाने या ऐसी परेशानी जिसमें मरीज को भर्ती करना पड़े, वह नहीं किया जाता। वजह...अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने की सुविधा ही नहीं है। आईपीडी के मरीजों को या तो दूसरे अस्पताल जाने की सलाह दी जाती है अथवा आंबेडकर अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है।

इकलौते सरकारी महाविद्यालय में नियमित ओपीडी में तीन से चार सौ मरीज अपनी जांच के लिए पहुंचते हैं। दांत तोड़ने जैसा कम समय में होने वाला इलाज तो यहां कर दिया जाता है, मगर जबड़ा ट्रांसप्लांट सहित मरीजों को भर्ती कर उपचार की प्रक्रिया यहां पूरी नहीं हो पाती। डेंटल अस्पताल के मरीजों के लिए आंबेडकर अस्पताल में दो बेड आरक्षित हैं, मगर आवाजाही की समस्या के कारण मरीज भर्ती नहीं हो पाते, इसलिए उन्हें दूसरे अस्पताल जाने ▸▸शेष पेज 13 पर

आईपीडी के मरीजों को बाहर या आंबेडकर अस्पताल भेजना डाक्टरों की मजबूरी

आयुष्मान से दूर दांतों की बीमारी

लोगों को विभिन्न तरह की बीमारियों के इलाज की निशुल्क सुविधा स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत मिल जाती है। दांतों की बीमारी के इलाज को सालों पहले योजना से हटाया गया था जिसके रिव्यू की आवश्यकता अभी तक नहीं की गई है। निजी अस्पतालों में इस बीमारी के इलाज के लिए काफी पैसे खर्च करने पड़ते हैं।

प्रस्ताव भेजा जा चुका

सुविधाओं के विस्तार के लिए समय-समय पर प्रस्ताव बनाकर भेजा जाता है। इस पर अंतिम फैसला शासन स्तर पर लिया जाता है। - **डॉ. विरेन्द्र वाढ़ेर**, प्राचार्य शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय

नहीं मिली सीबीसीटी मशीन

जबड़ों की थ्री-डी स्कैनिंग तथा दांतों और मसूड़ों से संबंधित छोटी-बड़ी बीमारियों की सटीक जांच के लिए सीबीसीटी मशीन खरीदी को मंजूरी दी गई थी। लगभग एक करोड़ की मशीन को स्थापित करने कालेज के भूतल में जगह का चुनाव कर लिया गया मगर सीजीएमएससी ने फंड के अभाव में इसकी खरीदी ही नहीं की गई।

पुरानी मशीनों के भरोसे इलाज

डेंटल कालेज में आने वाले मरीजों की जांच और इलाज पुरानी मशीनों की मदद से की जाती है। मशीनों की क्षमता काफी कम हो चुकी है और कई बार आउटडेटेड होने से बंद हो जाती है। मरीजों के लिए मौजूद साफ्ट टिशू लेजर मशीन लगातार बिगड़ती है और इसे सुधारने के लिए होने वाले खर्च की बड़ी राशि वहन करना मुश्किल हो चुका है।

25-30 प्रतिशत काम बाकी, केंद्र की अनुमति के बाद आगे कार्य होगा

जल जीवन मिशन की मियाद पूरी, छत्तीसगढ़ ने मांगा और समय

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन का कार्य निर्धारित समय पर पूरा नहीं हो पाया। केंद्र सरकार के जल शक्ति नियोजन विभाग ने राज्य में अब तक हुए कार्यों की समीक्षा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दो दिन पहले ही की। यहां पर अब भी 25-30 प्रतिशत कार्य शेष हैं। राज्य सरकार ने काम पूरा करने समय बढ़ाने की मांग की है। केंद्र सरकार इस पर निर्णय लेगी। छत्तीसगढ़ में मिशन की शुरुआत से अब तक करीब 36 लाख 44 हजार नए घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं। राज्य में 4142 ऐसे ▸▸शेष पेज 13 पर

33 प्रतिशत राशि हुई खर्च

योजना के अंतर्गत बजट के प्रावधान की वित्तीय स्थिति 4668.11 करोड़ रुपए हैं। इसके अंतर्गत पूंजीगत व्यय 1496.95 करोड़ रुपए है। पूंजीगत व्यय 32.7 प्रतिशत है। वहीं राजस्व व्यय मद के अंतर्गत 50 प्रतिशत की राशि है। इसमें कुल 5047.63 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान है। अभी तक कुल व्यव 1688.89 करोड़ रुपए है। जो कुल व्यय का 33.46 प्रतिशत है।

- फिलहाल जो कार्य चल रहे हैं उसे पूरा किया जा रहा, केंद्र

केंद्र ने की योजना की समीक्षा

मिशन के संचालक सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने बताया कि राज्य में जन जीवन मिशन का कार्य 31 दिसंबर 2024 तक पूरा किया जाना था। राज्य में अब तक 70 प्रतिशत कार्य पूरे हो चुके हैं। शेष कार्यों को पूरा करने के संबंध में केंद्र सरकार ने कल ही वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से राज्य में योजना की समीक्षा की है। समीक्षा के बाद राज्य सरकार की ओर से समयावधि को और बढ़ाने की मांग रखी गई है। केंद्र की अनुमति मिलने के बाद आगे का कार्य किया जाएगा।

मिशन के कार्यों को गति देने का प्रयास- साव

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव जल जीवन मिशन के कार्यों को गति देने लगातार कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कार्यों के निर्माण में तेजी लाते हुए समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इसके कार्य प्रगति पर हैं।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

एस.आर. पैरामेडिकल कॉलेज
छ.ग. शासन के पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त
प्रवेश प्रारंभ
सीमित सीटे
उपलब्ध पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स
- ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन
- पैथोलॉजी लैब टेक्निशियन
- एक्स-रे टेक्निशियन
सरकारी नौकरी हेतु मान्यता प्राप्त कोर्स
काउंसलर का मोबाईल नं.-7880102604
चिखली, पोस्ट-जेवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री साय आज गरियाबंद दौरे पर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 5 जनवरी को जिला मुख्यालय गरियाबंद के दौरे पर रहेंगे और वहां पुलिस परेड ग्राउंड में कार्यक्रम के दौरान 338 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात देंगे। गांधी मैदान में राष्ट्र जागरण 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय के निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार, पुलिस परेड ग्राउंड रायपुर से सुबह 11.55 बजे रवाना होकर दोपहर 12.25 बजे जिला मुख्यालय गरियाबंद पहुंचेंगे और वहां पुलिस परेड ग्राउंड में लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर 3.10 बजे गरियाबंद के गांधी मैदान में राष्ट्र जागरण 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में शामिल होंगे। कार्यक्रम के पश्चात वे शाम 4.45 बजे रायपुर लौट आएंगे।

बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों की बहाली करे सरकार : महंत

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्त सहायक शिक्षकों की सेवाओं के निरंतरता के संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने शिक्षा विभाग में कार्यरत बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्त सहायक शिक्षक जिनकी संख्या 2897 है। उन्हे विगत दिनों सरकार ने नौकरी से निकाल दिया है। बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्त सहायक शिक्षकों की समस्या इनके आश्रितों से जुड़ी आजीविका से संबंधित है। अभी भी सरकार के पास मौक़ा है कि रिक्त पद के विरुद्ध इन्हें नौकरी दी जा सकती है। नेता प्रतिपक्ष बताया कि बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने मेरे समक्ष उपस्थित होकर आवेदन पत्र दिया है।

स्थानीय निकाय चुनाव में देर आम जनता का नुकसान

रायपुर। त्रिस्तरीय स्थानीय निकाय चुनाव में लेट लतीफी और प्रशासकों की नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा, भारत के गांव, गरीब, ग्रामीणों और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के उद्देश्य से स्थानीय निकाय चुनाव का प्रावधान संविधान में किया गया था। चुनाव में देर की जा रही है, जिससे सीधे सीधे आम जनता का नुक़सान होगा। चुनाव में देर की वजह से नगर निगमों में प्रशासकों की नियुक्ति की जा रही है। जनता को प्रशासक नहीं, बल्कि स्थानीय सरकार और स्वशासन चाहिए। उन्हें गली मोहल्ले में साफ सफाई, शुद्ध पेयजल, जन्म, जाति प्रमाणपत्र और अंतिम व्यक्ति तक विकास चाहिए। ऐसी चुनी सरकार और जनप्रतिनिधि चाहिए, जो कंधे-कंधे से मिलाकर उनकी समस्यायों का हल करें। अतः सरकार को समय पर चुनाव कराने की ओर ध्यान देना चाहिए। पंचायतों का कार्यकाल आने वाले माह में समाप्त हो रहा है। वहां पर चुनाव प्रक्रिया में देर होने की संभावना से प्रशासन बिठाने की तैयारी है, जिससे आम लोगों को नुकसान होगा।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा पहले करेगी प्रभारी की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में 15 जनवरी के बाद कभी भी नगरीय निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव को लेकर आचार संहिता लग जाएगी। ऐसे में अब प्रदेश भाजपा संगठन ने भी इसको लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी है। संगठन ने पहले ही नगरीय निकाय चुनाव के लिए प्रदेश प्रभारी के रूप में भूपेंद्र सवन्नी और पंचायत चुनाव के प्रदेश प्रभारी के रूप में सौरभ सिंह की नियुक्ति की है। अब नगरीय निकाय चुनाव के लिए सबसे पहले जिला प्रभारी, नगर निगमों और नगर पालिकाओं के प्रभारी तय करने की कवायद चल रही है। इस माह कभी भी इसका ऐलान कर दिया जाएगा। इसके बाद पंचायत चुनाव को लेकर प्रभारी तय किए जाएंगे। इनके माध्यम से ही चयन की प्रक्रिया होगी।

प्रदेश में इस बार के नगरीय निकाय चुनाव में विलंब हो गया है। दिसंबर में ये चुनाव होने थे, लेकिन नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने की कवायद के चलते इसमें देर हो गई है। अब तक आचार संहिता नहीं लग सकी है। अब जनवरी और फरवरी में पहले नगरीय निकाय और फिर पंचायत चुनाव कराने की तैयारी है। इसको लेकर एक तरफ सरकार अपने स्तर पर काम कर रही है तो दूसरी तरफ भाजपा का प्रदेश संगठन भी लगा हुआ है।

जिला, निगम, पालिका स्तर पर तय होंगे प्रभारी

प्रभारी नियुक्त करने की कवायद

नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद प्रत्याशी से लेकर नगर पालिकाओं के अध्यक्ष और नगर निगम के लिए महापौर प्रत्याशी चुनने के लिए प्रदेश संगठन पहले प्रभारी तय करने की कवायद में जुटा है। इसमें जिलों के प्रभारी, फिर नगर पालिकाओं के लिए प्रभारी, नगर निगमों के लिए भी अलग से प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे। इसके माध्यम से प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया पूरी होगी। नगरीय निकायों के बाद पंचायत चुनावों को लेकर भी अलग-अलग प्रभारी बनाए जाएंगे। इसका काम दावेदारों से रायशुमारी करके सहमति से प्रत्याशी तय करने का भी रहेगा।

7.21 क्विंटल शक्कर और 7.21 क्विंटल नमक का घोटाला

चावल-शक्कर, नमक घोटाला मामले में सरकारी राशन दुकान संचालक सहित दो पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खाद्य विभाग ने खरोरा मांठ की सरकारी राशन दुकान के संचालक सहित दो के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। संचालक ने करीब साढ़े तीन साल पहले कार्ड धारकों को वितरण के लिए आबंटित किया गया। 466 क्विंटल चावल के साथ 7.21 क्विंटल शक्कर और 7.21 क्विंटल नमक का घोटाला करते हुए सरकारी रेट से ज्यादा कीमत पर बाजार में बेच दिया था। इसका खुलासा विभाग की जांच में हुआ था। इस मामले में विभाग ने दुकान संचालक को कारण बताओ नोटिस से लेकर गायब पाए गए खाद्यान्न के बदले खाद्यान्न जमा करने या फिर राशि जमा करने के लिए नोटिस भी जारी किया था। इन नोटिसों के बाद भी संचालक द्वारा खाद्यान्न या बदले में राशि अब तक जमा नहीं कराई गई है। विभाग ने अब इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दुकान संचालक और उसके भाई के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है।

मई 2021 में की गई थी दुकान की जांच

विभागीय अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग की टीम ने 23 मई 2021 में खरोरा मांठ में संचालित आईडी 442004042 सरकारी राशन दुकान की जांच की थी। इस जांच के दौरान दुकान में खाद्यान्न के स्टॉक की एंट्री करने वाला रजिस्टर एवं सूचक बोर्ड भी नहीं मिला था। जांच में दुकान में 466 क्विंटल चावल, 7.21 क्विंटल शक्कर एवं 7.21 क्विंटल नमक आबंटित और कार्ड धारकों को वितरण किए गए खाद्यान्न की तुलना में कम पाया गया।

अब नोटिस नहीं एफआईआर कराएंगे

उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न में गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध आरआरसी जारी किया गया है। अब जो भी दुकान संचालक गायब खाद्यान्न या उसके बदले राशि जमा नहीं कराएगा, उसके विरुद्ध थाने में एफआईआर कराई जाएगी।

– भूपेंद्र मिश्रा
खाद्य नियंत्रक रायपुर

तीन माह में तीसरी एफआईआर

खाद्यान्न घोटाला के मामले में विभाग की यह तीसरी कार्रवाई है, जिसमें राशन दुकान संचालक के विरुद्ध एफआईआर कराई गई है। इससे पहले राजातालाब स्थित जय हिंद प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान जिसकी आईडी 441001080 में विभागीय टीम ने निरीक्षण किया था। इस दौरान दुकान को आबंटित किए गए चावल में 1728.76 क्विंटल, शक्कर में 8.38 क्विंटल तथा 13.26 क्विंटल नमक गायब पाया गया था। इस दुकान के संचालक राकेश मिश्रा के विरुद्ध भी एफआईआई कराई गई है। इसी प्रकार धरसींवा क्षेत्र में संचालित एक राशन दुकान संचालक के विरुद्ध भी एफआईआर कराई गई है।

इन दुकान संचालकों पर भी गिरेगी गाज, होगी एफआईआर

राशन दुकानों में खाद्यान्न की गड़बड़ी करने के मामले में विभाग 5 और दुकान संचालकों पर एफआईआर कराने की तैयारी कर रही है। इसमें ग्राम पंचायत गुखेरा आरंग आईडी 442003058, ग्राम पंचायत छटेरा आरंग आईडी 442003054, ग्राम पंचायत बड़गांव आरंग आईडी 442003113, ग्राम पंचायत भलेरा आरंग आईडी 442003060 शामिल है। इन सभी दुकानों में भी जांच में भारी मात्रा में खाद्यान्न गायब मिला है। विभाग ने इन दुकानों के संचालकों को भी नोटिस जारी कर खाद्यान्न के बदले खाद्यान्न या राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन संचालकों द्वारा अब तक निर्देश का पालन नहीं किया गया है।

22 दुकानों से 4 हजार क्विंटल चावल की रिकवरी होना बाकी

जिले में वर्ष 2022 में 101 सरकारी राशन दुकानों में साढ़े 14 हजार क्विंटल से अधिक का चावल के अलावा शक्कर एवं नमक की गड़बड़ी की गई थी। जांच के बाद सभी दुकान संचालकों को नोटिस जारी कर उनसे रिकवरी करने की कार्रवाई की गई। रिकवरी के बाद अभी भी 22 दुकान संचालकों से करीब 4 हजार क्विंटल चावल की रिकवरी किया जाना शेष है। इन सभी दुकानों के विरुद्ध आरआरसी जारी किया गया है।

लक्ष्य का 61 प्रतिशत धान खरीदी अभी 19 दिन और चलेगा अभियान

- अब तक 97 .60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी
- लगभग सवा तीन लाख टन प्रतिदिन हो रही खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब तक 97.60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। कुल खरीदे गए धान में से खरीदी केंद्रों से 39 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है। खरीदी केंद्रों में अब भी 62 लाख मीट्रिक टन धान डंप है। राज्य में कुल लक्ष्य का लगभग 61 प्रतिशत धान खरीदी कर ली गई है। अभी धान खरीदी का अभियान 19 दिन और चलेगा, जिसमें लक्ष्य पूरा होने का अनुमान है। धमतरी, मुंगेली, बलौदाबाजार, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, रायपुर महासमुंद, बेमेतरा और दुर्ग जिले से मिलरों के द्वारा तेजी से धान का उठाव किया जा रहा है।

प्रदेश के किसानों से 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला जारी है। प्रतिदिन किसानों से लगभग सवा तीन लाख मीट्रिक टन की खरीदी हो रही है। अब तक लगभग 97.60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में 19.34 लाख किसानों को 21 हजार 040 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी 31 जनवरी तक चलेगी। राज्य सरकार ने इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है।

प्रदेश के पंजीकृत कृषकों से धान विक्रय हेतु टोकन की सुविधा ऑनलाइन एप्प टोकन एवं उपार्जन केन्द्रों में 25 जनवरी तक के लिए उपलब्ध कराया गया है। किसान सुविधा अनुसार तिथि का चयन कर नियमानुसार धान बेच सकते है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 3 जनवरी को 66392 किसानों से 3.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है।

मिलर्स कर रहे हैं उठाव

धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स द्वारा धान का उठाव भी तेजी से हो रहा है। जिला डीएमओ द्वारा धान उठाव के लिए लगभग 65.80 लाख मीट्रिक टन धान के लिए डीओ और टीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध अब तक 39 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है।

हाउसिंग बोर्ड के 327 करोड़ 77 लाख कीमत के 1867 मकान अब तक बिक नहीं पाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के 1867 मकानों की बिक्री अब तक हो नहीं पाई है। इन मकानों के निर्माण में 327 करोड़ 77 लाख से अधिक राशि खर्च की गई है। इन बचे मकानों में सात सौ से ज्यादा मकान अब जर्जर होने लगे हैं, जिसके कारण इन मकानों को बेचने से पहले इनकी मरम्मत किया जाना आवश्यक हैं। इन मकानों के मरम्मत में फिर लाखों-करोड़ों रुपए की राशि भी खर्च होगी। इसके बाद ही ये जर्जर मकान पुनः बिक्री के लिए तैयार हो पाएंगे।

- इनमें 7 सौ से ज्यादा जर्जर हालत में

8 से 10 वर्ष पहले जिले में 15298 मकानों का किया गया था निर्माण

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के प्रोजेक्ट के तहत रायपुर जिले में 8 से 10 वर्ष पूर्व 15298 मकानों के निर्माण किए गए थे। इन मकानों के निर्माण में अरबों रुपए की राशि खर्च की थी। बोर्ड इनमें से 13431 मकानों की बिक्री कर चुका हैं, लेकिन 1868 मकान अब तक रिक्त पड़े हुए हैं, जिनमें ईडब्ल्यूएस के 460, एलआईजी के 299 तथा एमआईजी के 640 और एचआईजी के 472 मकान है। ये सभी मकान लंबे समय से खाली पड़े-पड़े जर्जर होने लगे हैं।

ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र में बनाए गए हैं मकान

सूत्रों के अनुसार जिले में अब तक बिक नहीं पाए मकान ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र के हैं। ज्यादातर मकान ग्रामीण क्षेत्र के है। सूत्रों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मकानों की आवश्यकता का आंकलन किए बिना ही मकानों का निर्माण कराया गया है, जिसके कारण इन मकानों की अब तक बिक्री नहीं हो पाई हैं। कई मकान तो क्षेत्र, स्थान एवं गुणवत्ता के साथ उसकी तय कीमत के कारण भी बिक नहीं पाए हैं। इस कारण हाउसिंग बोर्ड की बड़ी राशि भी इन बचे मकानों में फंसी हुई है।

सीएम साय से फिल्मकार प्रकाश झा ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता, निर्देशक, कलाकार एवं पटकथा लेखक प्रकाश झा ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री झा के छत्तीसगढ़ आगमन पर उन्हें शॉल और स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत, अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में हिंदी फिल्मों के निर्माण और फिल्म उद्योग के विकास की संभावनाओं के संबंध में चर्चा की। प्रकाश झा ने कहा कि छत्तीसगढ़ पसंदीदा फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रकाश जी उन दिग्गज फिल्मकारों में से एक हैं, जो अपनी फिल्मों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को पर्दे पर बखूबी उतारते हैं।

पत्रकार से दुर्व्यवहार मामले में वनमंत्री ने दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

रायपुर। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार के साथ अभद्रता का मामला सामने आने पर वन मंत्री केदार कश्यप ने वन क्षेत्रपाल परिक्षेत्र अधिकारी सीतानदी, उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व, को लाइन अटैच करने के आदेश दिए हैं। बताया गया है कि एक शासकीय सेवक के लिये कर्तव्य के प्रति अशोभनीय कृत्य है। छग सिविल सेवा (आचरण) नियम के अनुसार शासकीय लोक सेवक को ऐसा कोई भी कृत्य नहीं करना चाहिए जो कि शासकीय सेवा में अशोभनीय हो। वन मंत्री केदार कश्यप ने उक्त घटना की सूक्ष्मतापूर्वक जंच कर, तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए उपनिदेशक उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व को आदेशित किया गया है। मामले में विभाग ने नरेश चन्द्र देवनाग, वनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र अधिकारी सीतानदी, उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व, गरियाबंद को तत्काल प्रभाव से विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, धमतरी वनमंडल के पद पर पदस्थ किया है।

Narayana Health | MMI

पेट एवं आंत संबंधी समस्याओं को न करें नजरअंदाज।

निःशुल्क प्रथम परामर्श

डॉ. अनुपम महापात्रा
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ

डॉ. अभिषेक जैन
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ

उपलब्ध सुविधाएं
- एंडोस्कोपी एवं कॉलोनोस्कोपी पर 50% की छूट।
- सभी प्रकार की जांचों पर 25% की छूट।

*नियम एवं शर्तें लागू

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग के मुख्य लक्षण
- खून मिश्रित उल्टी
- मल में खून आना या काला मल
- हीमोग्लोबिन का कम होना
- चक्कर आना या निम्न रक्तचाप
- पेट दर्द और कमजोरी
- अत्यधिक या ज्यादा उल्टी आना
- त्वचा का पीला पड़ना

6 से 11 जनवरी 2025
सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक

Take Care | एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल, लालपुर, रायपुर 8821-818181

बार-बार कहा गया, मुस्लिम महापौर बन गया, क्या यह गुनाह था?

हमें तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहरी सरकार के 5 साल का कार्यकाल पूरा होने पर महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि मेरे खाते में उपलब्धियां ज्यादा हैं। स्वच्छता रैंकिंग में रायपुर शहर देश के स्वच्छ शहरों में काफी ऊपर 6वें रैंकिंग पर आया। पीलिया, मलेरिया जैसी बीमारियों पर नियंत्रण रहा। शहर में पहली बार आवारा कुत्तों की आक्रामकता कम करने और बीमार कुत्तों के उपचार के लिए सोनडोंगरी में 50 लाख की लागत से डॉग शेल्टर का निर्माण किया गया। दिल्ली के बाद इस तरह का डॉग शेल्टर निर्माण करने वाला रायपुर दूसरा शहर है। उन्होंने कहा बार-बार कहा गया, मुस्लिम महापौर बन गया, क्या गुनाह था?

महापौर एजाज ढेबर ने रविवार को अपने कार्यकाल के 5 साल पूरा होने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत की। चर्चा के दौरान उन्होंने एक मशहूर शेर का जिक्र करते हुए कहा हमें तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था, कश्ती वहां जाकर डूबी, जहां पानी कम था। शेर की दूसरी लाइन मुझ पर फिट नहीं बैठती। मेरी कश्ती नहीं डूबी। आज में उपलब्धियां गिना रहा हूं। एजाज ढेबर ने कहा हिंदी की चर्चित फिल्म सिंघम में सिने स्टार अजय देवगन का डायलाग दोहराना चाहूंगा जब अपने गांव जाऊंगा तो छाती ठोककर बोलूंगा कि मैं मर्दों वाला काम करके आया हूं।

पत्रकार वार्ता में एजाज ढेबर ने कहा, बूढ़ातालाब विवेकानंद सरोवर के सौंदर्यीकरण के लिए प्रथम चरण में 5 करोड़ की लागत से कार्य कराया गया। शहर में यातायात सुविधा को उन्नत बनाने कबरी 1 करोड़ 38 लागत की लागत से शहर के आसपास 160 सिटी बसों का संचालन किया जा रहा है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगर निगम द्वारा ग्राम सकरी स्थित 70 एकड़ की भूमि का चयन कर कचरा डंपिंग यार्ड प्रारंभ किया गया। शहरभर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जा रहा है। रायपुर शहर में पार्किंग की व्यवस्था सुव्यवस्थित करने कलेक्टोरेट के पास 6 मंजिला हाईटेक मल्टीस्टोरी पार्किंग 25 करोड़ की लागत से बनवाई गई।

नगर निगम मुख्यालय का नामकरण महात्मा गांधी सदन के रूप में किया गया। साथ ही राष्ट्रपिता की प्रतिमा गांधी सदन में लगाई गई है। जहां प्रतिदिन प्रातः 10:30 बजे से 11 बजे तक रघुपति राघव राजाराम की धुन प्रत्येक तल पर गूंजती है।

महापौर ढेबर ने फिल्म का डायलाग दोहराया

निधन

चंद्रप्रभा दीवान

रायपुर। राधास्वामी नगर प्रोफेसर कॉलोनी निवासी चंद्रप्रभा दीवान अभनपुर-सकरी वाले (80) का 4 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे सुदेशधर दीवान की माता थीं।

रामनाथ रजक

रायपुर। ग्राम मोहतरा कसडोल निवासी रामनाथ रजक (55) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया। वे किशन, रजक, सुरेंद्र, प्रिया निर्मलकर के पिता थे। उनके निधन पर छत्तीसगढ़ प्रदेश धोबी समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

नरोत्तम उपाध्याय

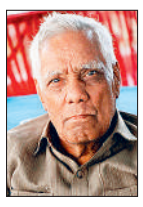

रायपुर। आमापारा निवासी नरोत्तम उपाध्याय (कन्हार मलपुरी वाले) का 4 जनवरी को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 5 जनवरी को दोपहर 2 बजे उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे युगल किशोर, दिनेश, संजय उपाध्याय के पिता थे।

शारदा बेन राठौड़

रायपुर। देवेंद्र नगर निवासी शारदाबेन राठौड़ का 4 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे रमणीक लाल राठौड़ की पत्नी, विवेक राठौड़ की माता एवं देव व रीति राठौड़ की दादी थीं।

गौरभाट रेत खदान की नीलामी मामले में एफआईआर के एक माह बाद भी गिरफ्तारी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पुलिस का कहना- एवीडेंस ढूंढ रहे, मिलते ही करेंगे गिरफ्तार

राजधानी रायपुर जिले के आरंग में प्रदेश का पहला मामला सामने आया था, जिसमें

- इस मामले में सरपंच सहित 16 ग्रामीणों के विरुद्ध एफआईआर की गई

गांव के सरपंच, पंच सहित अन्य ग्रामीणों ने मिलकर रेत खदान की गांव में एक सार्वजनिक बैठक बुलाकर नीलामी कर दी थी।

इस नीलामी का विडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद इसका खुलासा हुआ था। इसके बाद प्रशासन की ओर से इस मामले में सरपंच सहित 16 ग्रामीणों के विरुद्ध एफआईआर की गई। थाने में एफआईआर हुए एक महीने से भी ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन अब तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

क्षेत्रीय थाना पुलिस का कहना है कि तहसीलदार द्वारा पेश किए गए विडियो के आधार पर एफआईआर कर मामले की जांच की जा रही है। इसके तहत विडियो बनाने वाले से लेकर नीलामी के दस्तावेज सहित अन्य सबूत तलाश किए जा रहे हैं। पुख्ता सबूत मिलते ही इस मामले में गिरफ्तारी भी की जाएगी।

1 करोड़ 4 लाख रुपए में की गई थी खदान की नीलामी

आरंग क्षेत्र के ग्राम गौरभाट में नवंबर में गांव के सरपंच, पंचों की मौजूदगी में एक सार्वजनिक बैठक कर रेत खदान की नीलामी कर दी गई। इस नीलामी में आसपास के कई गांव के रेत माफिया भी बोली लगाने के लिए पहुंचे थे। गांव में रहने वाले कुछ ग्रामीणों ने हरिभूमि से बातचीत में बताया था कि नीलामी के दौरान ग्राम छटेरा के किसी भोलू चंद्राकर ने रेत खदान के लिए सबसे ऊंची 1 करोड़ 4 लाख रुपए की बोली लगाई थी। गांव के लोगों ने इसके बाद खदान को उसे ठेके पर दिया था। इसके एवज में गांव की पंचायत ने ठेकेदार से एडवांस राशि के रूप में 50 हजार रुपए भी लिए थे, लेकिन गांव के किसी व्यक्ति ने इस नीलामी का विडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। इधर नीलामी का विडियो वायरल होते ही इसकी खबर जब खनिज विभाग एवं प्रशासन तक पहुंची, तो अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आरंग क्षेत्र की तहसीलदार सीता शुक्ला ने इस मामले की अपने स्तर पर जांच की, जिसकी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी। तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन की ओर से थाने में पंचायत के पदाधिकारियों सहित 16 ग्रामीणों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है।

इनके विरुद्ध कराई गई है एफआईआर

इस मामले में गांव की सरपंच दुर्गा निषाद, ग्राम सचिव अरुण कुमार ध्रुव, सरपंच पति भागवत निषाद के अलावा बोलीदार अमित चंद्राकर, ग्राम सभा अध्यक्ष हरिशचंद्र चंद्राकर, नीलामी संचालक संतोष सेन, ग्राम सभा सचिव ओमकार साहू, ग्राम सभा कोषाध्यक्ष नारायण साहू, ग्राम सभा उपाध्यक्ष शारदा साहू, चिम्मन साहू, विष्णु धनगर, तोमनलाल यादव, घनश्याम साहू, जयलाल कोसले एवं लुकेश साहू के विरुद्ध धारा 3(05),318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिस्टम का निकला कबाड़ा, जाम में फंस रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के मुख्य मार्ग से लेकर शहर के प्रमुख चौराहों पर आए दिन ट्रैफिक जाम से शहरवासी परेशान हैं। यातायात विभाग, नगर निगम और जिला प्रशासन ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को पटरी पर लाने ढेरों प्रयोग किये। पर आम जनता को ट्रैफिक जाम से निजात नहीं दिला पाए।

पचपेड़ी नाका चौक, भाठागांव चौक, वीआईपी रोड तिराहा, मोवा ब्रिज से पंडरी थाना वाले मार्ग की कमोबेश यही स्थिति देखने को मिलती है। वहीं प्रमुख चौराहों वाले मार्ग पर सड़क घेरकर ठेला व गुमटियों लगाने से ट्रैफिक की समस्या बढ़ी है। ऐसे में सकरी सड़कों पर गाड़ियों की भरमार और अस्त-व्यस्त ट्रैफिक के कारण दुर्घटना का खतरा बढ़ने लगा है।

शहर की लचर ट्रैफिक व्यवस्था लोगों के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। साल 2010 में शहर में जहां चलने के लिए 2800 किलोमीटर की सड़क हुआ करती थी, पिछले 14 साल में दो बड़ी सड़क केनाल रोड और एक्सप्रेस वे बनने के बाद और कुछ बायपास सड़क निर्माण होने के बावजूद भी यह ट्रैफिक नियम के अनुसार पर्याप्त नहीं हैं। जानकारों का कहना है दशकभर बाद शहर में गाड़ियों की संख्या दोगुना हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2001 में जहां शहर में 31 हजार गाड़ियों रजिस्टर्ड हुआ करती थी, 2011 में इनकी संख्या बढ़कर 5 लाख जा पहुंची। 2011 से लेकर 2024 तक 17 लाख गाड़ियां रजिस्टर्ड हुईं, जबकि सड़कों के विस्तार की स्थिति पर नजर डालें, तो वह 2011 में 2900 किलोमीटर दायरे की थी। साल 2024 में इसका दायरा बढ़कर 3500 किलोमीटर हुआ, जो कि वाहनों की संख्या हिसाब से काफी कम है। हालत ये है कि मुख्य मार्ग से लेकर वीआईपी चौक तक ट्रैफिक का दबाव पहले से काफी ज्यादा बढ़ गया है।

ट्रैफिक की समस्या इन मार्गों पर ज्यादा

- पचपेड़ीनाका चौक
- भाठागांव चौक
- मोवा ब्रिज से पंडरी थाना
- बढ़ईपारा से राठौर चौक मार्ग
- शंकर नगर चौक से अशोका रतन मार्ग
- वीआईपी रोड तिराहा
- तेलीबांधा रिंग रोड
- पुरानी बस्ती से लाखे नगर चौक
- रायपुरा चौक मार्ग

ट्रांसपोर्टर का आरोप- उड़नदस्ता टीम ने 60 किलो ज्यादा वजन पर 42 हजार का चालान काटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ओडिशा से मुंबई सरिया लोड कर ले जा रहे एक ट्रक को सरिया में महज 60 किलो ज्यादा वजन होने पर ट्रांसपोर्टर ने परिवहन विभाग के उड़नदस्ता टीम पर 42 हजार रुपए चालान काटे जाने का आरोप लगाया है। ट्रांसपोर्टर के आरोपों का परिवहन विभाग के अफसरों ने खंडन करते हुए कहा कि ड्राइवर अपने ट्रक का बगैर वजन कराए दौड़ाते हुए ले गया, इस वजह से ट्रक का भारी-भरकम जुर्माना किया गया है।

- अफसर बोले बगैर कांटा कराए ट्रक लेकर भागा ड्राइवर

ट्रांसपोर्टर मनीष सिंह ने परिवहन विभाग के उड़नदस्ता टीम के खिलाफ बेवजह चालान काटे जाने का आरोप लगाया है। ट्रांसपोर्टर के अनुसार शुक्रवार को धनेली नाका के पास ट्रक को रोका गया। परिवहन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने ट्रक की धरमकांटा रसीद देखी। इसके बाद ट्रक में 60 किलो वजन ज्यादा होने पर उड़नदस्ता टीम ने 42 हजार रुपए का चालान काट दिया। इस संबंध में परिवहन अफसरों से संपर्क करने पर बताया कि ट्रांसपोर्टर के ट्रक को धनेली नाका के पास रोका गया था। धरमकांटा पर्ची देखी गई। इसके बाद ट्रक का नए सिरे से धरम कांटा कराने कहा गया।

इस पर ट्रक ड्राइवर ट्रक का धरमकांटा नहीं कराए जाने की बात पर अड़ गया और वह ट्रक को वहां से दौड़ाते हुए ले गया, जिसे रास्ते में रोका गया और उरला थाने लाकर खड़े किया गया। इस वजह से अफसर ने ओवर लोड सहित अन्य परिवहन नियमों की अनदेखी करने पर 42 हजार रुपए जुर्माना किए जाने की बात कही।

सज गया श्याम बाबा का दरबार, बहेगी भजनों की गंगा

रायपुर। श्याम परिवार सेवा समिति ने समता कॉलोनी स्थित श्रीरामनाथ भीमसेन भवन में श्याम महोत्सव का आयोजन किया है। श्याम बाबा का दरबार रंगबिरंगे बंदनवारों से सज गया है। 5 जनवरी की सुबह जैसे ही खाटू वाले श्याम बाबा की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित होगी, इसकी शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद सुबह 11 बजे से अनवरत भजनों की गंगा प्रवाहित होगी, जो देर रात तक श्रद्धालुओं को आनंदित करेगी। भजनामृत के लिए राष्ट्रीय स्तर के भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसमें प्रमुख रूप से साक्षी अग्रवाल, अंकिता शर्मा, संदीप अग्रवाल, राहुल सांवरा, सुरेश राजस्थानी, प्रियांशु मित्तल, टीनू शर्मा एवं वरुण शर्मा शामिल हैं।

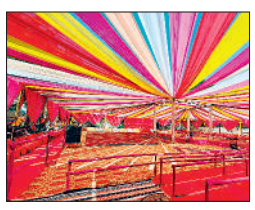

पेज 11 के शेष ...

महापौर परिषद का...

अब डॉ. गौरव कुमार सिंह बतौर प्रशासक निगम की जिम्मेदारी संभालेंगे। महापौर सहित सभी 70 वार्डों के पार्षदों का कार्यकाल 5 जनवरी को समाप्त हो रहा है।

अवकाश के दिन समेटते...

सामान समेटने का काम पूरा कर लिया। इसी तरह एमआईसी मेंबर ने भी अपने कक्ष में लगी तस्वीर सहित अन्य सामग्री हटाने में तत्परता दिखाई। रविवार से इनके एमआईसी कक्ष के सामने लगी नाम पट्टिका भी हटाने की तैयारी है। मेयर कक्ष की दीवारों का लुकअप अब बदला सा नजर आएगा।

चौबीस घंटे ठहरा...

स्थिर रहा, जिससे ठंड का माहौल बना रहा है। शहर में दिन में धूप रही, मगर इसका प्रभाव बहुत तेज नहीं था। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों का मानना कि आज से बादल छाएंगे, जिसकी वजह से दो दिन में रात के तापमान में दो से तीन डिग्री तक वृद्धि होगी। इसका प्रभाव प्रदेश में पड़ रही ठंड पर होगा, शीतलहर का प्रभाव समाप्त होगा और अन्य इलाकों में ठंड कम होगी। विक्षोभ का प्रभाव सात जनवरी से पुनः कमजोर होगा, जिससे पुनः ठंड की वापसी होने के आसार हैं।

प्रदेश का इकलौता...

की सलाह दी जाती है। वर्ष 2003 में स्थापित डेंटल कालेज में उपचार संबंधी सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाओं को मंजूरी दी गई है, जो कई साल बीतने के बाद भी पूरी नहीं हो पाई है। यहां डे-केयर सर्जरी यानी दिन में मरीजों को भर्ती करने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए एक छोटे वार्ड की आवश्यकता थी। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा बीस बेड का आईपीडी वार्ड शुरू करने की मंजूरी दी गई थी। तीन साल से ज्यादा का वक्त बीतने के बाद भी यह वार्ड तैयार नहीं हो पाया है। आईपीडी के कारण ओटी का काम अधूरा है, जिसकी जरूरी मशीनें और आवश्यक स्टाफ की व्यवस्था प्रस्ताव में ही सिमटकर रह गई है और शासकीय डेंटल कालेज में उपचार भगवान भरोसे चल रहा है।

मुकेश की हत्या के...

अधिकारियों ने उन्हें बीच रास्ते में ही आगे बढ़ने से रोक दिया। राजभवन के बाहरी गेट को बंद कर दिया गया। काफी देर तक पत्रकार भीतर जाने की मांग करते रहे, पर अधिकारियों ने उन्हें अंदर जाने नहीं दिया। प्रेस क्लब के महासचिव डॉ. वैभव पांडये ने गेट के बाहर ज्ञापन पढ़कर सुनाया, जिसमें राज्यपाल से पूरे मामले में हस्तक्षेप कर कार्रवाई की मांग की गई। इसके बाद पत्रकार डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा स्थल पहुंचे और मूर्ति के समक्ष दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत साथी मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि दी। धरना प्रदर्शन और शांति मार्च में बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए।

जल जीवन मिशन की...

गांव हैं, जहां के शत-प्रतिशत घरों में नल से जल पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन के तहत 19 जिलों में 77 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुके हैं। मिशन के ऐसे कार्य जो प्रगति में हैं, उसका काम चालू है। जल जीवन मिशन के लिए पांच वर्षों के स्थान पर छत्तीसगढ़ को तीन वर्ष का ही समय ही मिल पाया।

मिशन के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को दिसम्बर-2024 तक पूर्ण किया जाना था। कोरोना काल और निविदा में गड़बड़ी के कारण इसका कार्य 2021 में ही शुरू हो पाया। अभियान के तहत 50 लाख 05 हजार 147 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिया जाना था। फिलहाल 40 लाख 02 हजार घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जो लक्ष्य का 80 प्रतिशत है। प्रदेश में जिन जल स्रोतों की उपलब्धता के आधार पर योजना शुरू हुई, उनमें से कई स्रोतों में पानी की कमी प्रभावित और अन्य कारणों से नए जल स्रोत विकसित करने की आवश्यकता ने योजना को पीछे ढकेल दिया। वहां टंकी बन गई, पाइप लाइन खींच दी गई। नल लगा दिए गए, लेकिन पानी नहीं पहुंचा पाए। बस्तर, सरगुजा, धमतरी सहित कई अन्य जिलों में पहले जल स्त्रोत की व्यवस्था करनी चाहिए थी या टंकी ढांचा का निर्माण करना था। यहां पर भारत सरकार की गाइड लाइन का पालन नहीं किया गया।

दो दिन में पकड़ा गया 6500 किलो नकली पनीर, कार्रवाई के लिए सप्ताहभर का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नए साल में खपाने के लिए तैयार किए गए 6500 किलो नकली पनीर के मामले में कार्रवाई के लिए जांच टीम को सप्ताहभर और इंतजार करना होगा।

- भेजे गए सैंपलों की रिपोर्ट की प्रतीक्षा, दो फैक्ट्री में हुई थी छापेमारी

पनीर के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बीरगांव और निमोरा की दो फैक्ट्री में छापेमारी कर पनीर पकड़ा था।

दोनों स्थानों पर छापेमारी में जो पनीर बरामद किया गया था, उसे बनाने के लिए दूध का बिलकुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाता। बीरगांव के काशी एग्रो फूड्स और निमोरा के एसजे मिल्क प्रोडक्ट्स में तैयार होने वाला 80 फीसदी पनीर ओडिशा भेजा जाता था और बीस फीसदी की सप्लाई छत्तीसगढ़ खासकर रायपुर में की जाती थी। दोनों ठिकानों से जांच टीम ने कुल 6500 किलो पनीर जब्त किया था। पनीर के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए कालीबाड़ी के लैब भेजा गया था, जिसकी रिपोर्ट मिलने का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक जांच रिपोर्ट के आधार पर दोनों संस्थानों के संचालकों के खिलाफ प्रकरण तैयार किया जाएगा। अधिकारियों का दावा है कि दोनों प्रकरणों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। नकली खाद्य पदार्थों के मामले में बड़ा जुर्माना के साथ सजा का प्रावधान भी होता है।

पैकेट में गलत जानकारी

निमोरा के एसजे मिल्क प्रोड्क्टस में भरी गंदगी में पनीर तैयार किया जाता है। उसे फ्रेश पनीर नामक पैकेट में पैक किया जाता था। नियम के मुताबिक पैकिंग में संबंधित खाद्य पदार्थ में मौजूद पोषणकारी मानकों की जानकारी देना अनिवार्य है। पनीर के इस पैकेट में दूध की उपलब्धता के साथ तमाम भ्रामक जानकारी दी गई थी। पनीर बनाने जिस बर्तनों का उपयोग किया जाता था वह बेहद गंदे थे और उससे बदबू आ रही थी।

मिला था खतरनाक केमिकल

बीरगांव के कांशी एग्रो फूड्स में पनीर बनाने के लिए जिस पानी का उपयोग किया जाता था उसमें हैवी मेटल था। इस तरह का पानी लिवर के लिए जोखिम भरा होता है। इससे बने खाद्य पदार्थ पेट खराब करने की वजह भी बन सकता है। इसके आलावा वहां पनीर बनाने उपयोग किए जाने वाले कुछ केमिकल भी मिले थे जो सेहत के लिए खतरनाक होते है। छापामार टीम ने सैंपल लेकर उसे भी जांच के लिए भेजा है।

सतनामी समाज परिचय सम्मेलन के लिए आज से अग्रिम पंजीयन शुरू

रायपुर। गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ओर से शहीद स्मारक भवन में 2 फरवरी को सतनामी समाज के विवाहयोग्य युवक-युवतियों का राष्ट्र स्तरीय 9वें वर्ष विशाल परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसमें देशभर से प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में विधवा, विधुर व वैध तलाकशुदा महिला, पुरुषों को भी स्थान दिया जाएगा। कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ती है, जिसे देखते हुए प्रतिभागी की सुविधा के लिए 5 जनवरी से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन अग्रिम पंजीयन की सुविधा शुरू कर दी गई है। आयोजन समिति अध्यक्ष केपी खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि प्रतिभागी या उनके परिजन दो रंगीन पासपोर्ट फोटो के साथ न्यू राजेंद्र नगर स्थित गुरु घासीदास अकादमी भवन में प्रतिदिन सुबह 11 से 5 बजे के बीच अपना अग्रिम पंजीयन करा सकते हैं। कार्यक्रम दिवस 2 फरवरी को छग के अलावा देश के विभिन्न प्रांतों में निवासरत तथा बड़े-बड़े महानगरों व विदेशों में कार्यरत सतनामी समाज के नवयुगल प्रतिभागी अपने भावी जीवनसाथी की तलाश में राजधानी पहुंचेंगे।

आम सूचना

(ग्राम - रसनी, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं.- आरंग, तहसील - आरंग, जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा क्र. 139 के संबंध में)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री नंदकुमार पिता जीवनलाल निवासी-रसनी, तहसील-आरंग जिला- रायपुर छ.ग. के स्वामित्व की ग्राम - रसनी, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं.- आरंग, तहसील-आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि खसरा क्र. 139 रकबा 1.450 हेक्ट. है को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है। अब केवल रजिस्ट्री बयनामा की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त सम्व्यवहार से जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, वित्तीय संस्थान, साहूकार, बैंक, कंपनी आदि को कोई आपत्ति हक या उजर हो तो इस आमसूचना के प्रकाशन तिथि से 10 (दस) दिनों के भीतर मुझे मेरे सेल फोन पर अथवा ई-मेल द्वारा के अलावा मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर, पावती लेवे। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की उजर या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी तथा वह अवैध एवं शून्य समझी जायेगी और मेरे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जायेगा।

सो सूचना जाने।

स्थानः- रायपुर
दिनांकः- 03.01.2025

प्रशांत जैन (एडवोकेट/कंसल्टेंट)
E-2/2, GAD
कालोनी कचना, रायपुर (छ.ग.)
मो. +91 9827 976 986

आम सूचना

(ग्राम- कुकरा, प.ह.नं. 24, रा.नि.मं.- मंदिरहसौद, तहसील- मंदिरहसौद, जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा क्र. 1598 के संबंध में)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री मन्नूलाल साहू, बलराम साहू, मोंगरा साहू, केंवरा साहू, केकती साहू, रुपा साहू, सरिता साहू सभी के पिता फिरूराम साहू, कुंती बाई साहू पति फिरूराम साहू सभी निवासी– कुकरा, तहसील- मंदिरहसौद जिला- रायपुर छ.ग. के स्वामित्व की ग्राम- कुकरा, प.ह.नं.24, रा.नि.मं.- आरंग, तहसील- मंदिर हसौद, जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि खसरा क्र. 1598 रकबा 1.590 हेक्टे. है को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है। अब केवल रजिस्ट्री बयनामा की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त सम्व्यवहार से जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, वित्तीय संस्थान, साहूकार, बैंक, कंपनी आदि को कोई आपत्ति हक या उजर हो तो इस आमसूचना के प्रकाशन तिथि से 10 (दस) दिनों के भीतर मुझे मेरे सेल फोन पर अथवा ई-मेल द्वारा के अलावा मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर, पावती लेवे। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की उजर या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी तथा वह अवैध एवं शून्य समझी जायेगी और मेरे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जायेगा।

सो सूचना जाने।

स्थानः- रायपुर
दिनांकः- 03.01.2025

प्रशांत जैन (एडवोकेट/कंसल्टेंट)
E-2/2, GAD
कालोनी कचना, रायपुर (छ.ग.)
मो. +91 9827 976 986

आम सूचना

ग्राम - बोरियाकला प.ह.नं. 81, रा.नि.मं. रायपुर 18-कांदुल तहसील व- जिला रायपुर में स्थित भूमि के संबंध में

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार ने विक्रेता 1. संतोष खण्डेलवाल आत्मज श्री सीताराम खण्डेलवाल, 2. श्रीमती संतोष देवी धर्मपत्नि श्री विमल अग्रवाल, निवासी- रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि वाके मौजा ग्राम- बोरियाकला, प.ह.नं. 81, रा.नि.मं रायपुर -18- कांदुल तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में नगर निगम सीमा के बाहर स्थित खसरा नंबर 19/1 रकबा 0.2470 हेक्टेयर को खरीदने का पक्का सौदा कर लिया है तथा जिसका पंजीयन किया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय अर्धशासकीय निकाय, महाजन अथवा किसी पारिवारिक सदस्य या अन्य को किसी भी प्रकार से कोई आपत्ति या उजर, दावा हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 7 दिनों के भीतर हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेंवे। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति या उजर हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा इसके समक्ष शून्य व अवैध समझी जावेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जावेगा।

सो सूचना जानें।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 02/01/2025

हरनामदास सुदंरानी कौशलेन्द्र तिवारी अनंत तिवारी (अधिवक्तागण)
लिबर्टी जम्बो फोटो कापी सेंटर, कचहरी चौक, रायपुर (छ.ग.)
मो. 98261 - 81154

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल - 18, तहसील व जिला - रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांकः- 01/01/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम माना प.ह.न.-80 रा.नि.मं- रायपुर-18 तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. में आवेदक रियाज दल्ला पिता डॉ. ए.आर. दल्ला निवासी देवेन्द्र नगर रायपुर छ.ग. द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 502/2 रकबा 0.3860 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय / अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./ /वाचक/अति.तहसीलदार/ 2024 रायपुर आदेश दिनांक - 30/12/2024 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन दिनांक- 22/01/2025 को किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आस-पास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा / आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-18

आम सूचना

ग्राम- बोरियाकला प.ह.नं. 81, रा.नि.मं. रायपुर -18 कांदुल तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि के संबंध में

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार ने विक्रेता इंपिन्दर सिंग चावला आत्मज श्री हरमिंदर सिंग चावला, पता- फाफाडीह नाका, रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि वाके मौजा ग्राम बोरियाकला प.ह.नं. 81, रा.नि.मं रायपुर 18- कांदुल तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में नगर निगम सीमा के बाहर स्थित खसरा नंबर 19/2 रकबा 0.0970 हेक्टेयर को खरीदने का पक्का सौदा कर लिया है। तथा जिसका पंजीयन किया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय - अर्धशासकीय निकाय, महाजन अथवा किसी पारिवारिक सदस्य या अन्य को किसी भी प्रकार से कोई आपत्ति या उजर, दावा हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 7 दिनों के भीतर हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेंवे। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति या उजर हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा इसके समक्ष शून्य व अवैध समझी जावेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जावेगा।

सो सूचना जानें।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 02/01/2025

हरनामदास सुदंरानी कौशलेन्द्र तिवारी अनंत तिवारी (अधिवक्तागण)
लिबर्टी जम्बो फोटो कापी सेंटर, कचहरी चौक, रायपुर (छ.ग.)
मो. 98261 - 81154

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल - 18, तहसील व जिला - रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक - 31/12/2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम- माना प.ह.न.-80 रा. नि. मं- रायपुर - 18 तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. में आवेदिका डॉ तबस्सुम दल्ला पति रियाज दल्ला निवासी देवेन्द्र नगर रायपुर छ.ग. द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 489/1 शामिल खसरा नंबर 489/2 रकबा 0.2410 हे., ख.न 489/3 रकबा 0.0820 हे, ख.न 490/1 रकबा 0.1220 हे., ख.न. 490/2 रकबा 0.1330 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क. - / / वाचक / अति. तहसीलदार / 2024 रायपुर आदेश दिनांक 30/12/2024 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन दिनांक- 22/01/2025 को किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आस-पास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा / आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-18

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित

न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561

• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग

अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

आज से दो दिवसीय निशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर

रायपुर। भारतीय जैन संघटना द्वारा दो दिवसीय 5 से 6 जनवरी तक निशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर कोटा रोड गुढ़ियारी स्थित सुयश हॉस्पिटल में सुबह 9 प्रारंभ होगा। यह जानकारी भारतीय जैन संघटना के प्रदेश अध्यक्ष विजय गंगवाल व प्रदेश महासचिव सीए विकास गोलछा ने देते हुए बताया कि शिविर में अमेरिका से आ रहे डॉक्टर लैरी एवं उनकी टीम द्वारा कटे, फटे होंठ एवं तालू, पलकों की विकृति, चेहरे के दाग धब्बे की प्लास्टिक सर्जरी यहां निशुल्क की जाएगी। शिविर के लिए रजिस्ट्रेशन एवं जांच रविवार को सुबह 9 बजे 12 बजे तक किया जाना सुनिश्चित हुआ है, जिसमें मरीजों को जांच के लिए खाली पेट आना अनिवार्य है। यह शिविर स्व. कन्हैयालाल गंगवाल की स्मृति में किया जा रहा है।

बीएड सहायक शिक्षकों का तीन दिवसीय अनशन शुरू

रायपुर। नवा रायपुर स्थित तूता धरनास्थल पर अपनी मांगों को लेकर बीते 17 दिनों से बीएड सहायक शिक्षकों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। इस आंदोलन में लगभग 2900 शिक्षकों ने अपनी सेवा सुरक्षा और समायोजन की मांग को लेकर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन किया। इसके बाद भी उनकी समस्याओं को हल करने के लिए सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नही उठाया गया। इसके बाद शिक्षक अपने जीवन और भविष्य को बचाने के लिए 4 जनवरी से तीन दिवसीय अनशन करने जा रहे हैं। धरनास्थल पर ठंड के बीच भी शिक्षक डटे हुए हैं।

नेत्र जांच शिविर आज

रायपुर। चौबे कॉलोनी स्थित छत्तीसगढ़ अस्पताल द्वारा 5 जनवरी को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर ब्राह्मणपारा वार्ड के पंचपथ पारा स्थित सामुदायिक भवन में लगाया जाएगा। शिविर में अत्याधुनिक जापानी मशीनों से मोतियाबिंद की जांच, सिरदर्द, आंखों से पानी आना आदि की जांच की जाएगी। यह जानकारी शिविर आयोजक ने देते हुए बताया कि शिविर सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक जारी रहेगा।

क्लोन वनभैंसा की डीएनए जांच के लिए एक साल बाद भी शुल्क जमा नहीं, कैसे मिलेगी रिपोर्ट

■ दीपआशा के घोषित तौर पर मुर्रा वनभैंसा की पुष्टि होने से बचने विभाग डीएनए जांच के लिए शुल्क जमा नहीं कर रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के राजकीय पशु वनभैंसा की संख्या बढ़ाने क्लोन से पैदा की गई दीपआशा से वन विभाग को बड़ी आस थी, लेकिन वही दीपआशा वनविभाग के लिए गले की हड्डी बन गई है। वन विभाग के अफसर डीएनए जांच के लिए शुल्क महज 15 हजार रुपए एक साल बाद भी जमा नहीं कर पाए हैं। दूसरी तरफ असम से लाए गए वनभैंसों के लिए वन विभाग के अफसर भरपूर राशि खर्च कर रहे हैं। राज्य में राजकीय पशु की संख्या बढ़ाने वन विभाग के अफसरों ने वर्ष 2014 में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की आशा नामक वनभैंसा के सोमेटिक सेल कल्चर से कुनबा बढ़ाने की कोशिश की थी। इसके लिए सोमेटिक सेल कल्चर को दिल्ली के बूचड़खाने की देसी भैंस के अंडाशय से क्लोन किया गया। इस तकनीकी से 12 दिसंबर 2014 को नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट करनाल में दीपआशा का जन्म हुआ। इसके लिए एक करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई। क्लोन से तैयार वनभैंसा को जंगल सफारी में रखने ढाई करोड़ रुपए लागत से बाड़ा बनाया गया।

असम से लाए वनभैंसा की डीएनए रिपोर्ट 10 दिन में हासिल

इस वजह से नहीं मिली रिपोर्ट

दीपआशा की अब तक डीएनए रिपोर्ट नहीं मिलने की वजह डीएनए टेस्ट करने 15 हजार रुपए का शुल्क जमा नहीं करना बताया जा रहा है। शुल्क जमा नहीं होने की वजह से दीपआशा की अब तक डीएनए जांच नहीं की गई। उल्लेखनीय है कि जंगल सफारी में दीपआशा के लिए ढाई करोड़ रुपए का बाड़ा तैयार कर रखा गया है। उस बाड़े के पास जाकर आम आदमी को दीपआशा को देखने की अनुमति नहीं है। सीजेडए के नियमों के मुताबिक जू में पालतू मवेशी रखने की अनुमति नहीं है। वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी ने प्रश्न किया कि दीपआशा दिखने में ही मुर्रा भैंस है, तो उसे बंधक बनाकर क्यों रखा गया है, उसे छोड़ क्यों नहीं दिया जाता, दीप आशा कोई वन भैंसा नहीं है, बल्कि एक आम घरेलू मवेशी है।

डीएनए जांच की मांग सात साल से जारी

क्लोन से पैदा दीपआशा की डीएनए जांच कराने की मांग सात साल से की जा रही है। 11 दिसंबर 2018 को पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ की अध्यक्षता में बैठक में निर्णय लिया गया कि दीपआशा का डीएनए टेस्ट सीसीएमबी हैदराबाद और व्हाइट लाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया देहरादून से कराया जाए। निर्णय के ढाई साल बाद सीसीएमबी हैदराबाद सैंपल भेजा गया। सैंपल भेजे जाने के बाद भी रिपोर्ट नहीं आने पर जनवरी 2023 में स्मरण पत्र भेजा गया। इसके बाद भी रिपोर्ट नहीं आने पर वन्यजीव प्रेमियों के दबाव में पिछले वर्ष नवंबर में पुनः स्मरण पत्र भेजा गया।

ट्रायल के बाद अब अतिथि तय नहीं होने से रुका ट्रेन का परिचालन

ट्रायल के बाद अभनपुर लोकल ट्रेन को अब 'तिथि और अतिथि' का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर से अभनपुर के बीच लोकल ट्रेन में सफर करने लोगों को अब 15 दिनों का और इंतजार करना पड़ सकता है। ट्रायल ट्रेन चलाने के बाद उम्मीद थी कि रेलवे जल्द ट्रेनों का परिचालन शुरू कर देगा, लेकिन अब रेलवे प्रशासन को तिथि और अतिथि दोनों का इंतजार है। अभी तक तय नहीं हो पाया है कि ट्रेन परिचालन का उद्घाटन समारोह कब होगा। पहले चर्चा थी कि गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में ट्रेन शुरू होगी। सूत्रों के मुताबिक निगम चुनाव से पहले ट्रेन की सुविधा लोगों को मिल जाएगी। मंडल के रेल असफर का कहना है कि सफल ट्रायल के बाद अब ट्रेन रायपुर से अभनपुर के लिए दौड़ने को तैयार है। सीबीडी स्टेशन की सभी खामियों को भी दूर किया जा चुका है। रंगरोगन व अधूरे कार्यों को भी पूर्ण हो चुके हैं। अब केवल अतिथि का इंतजार है। तिथि व अतिथि तय होने के बाद लोगों को यह सुविधा मिलने लगेगी, जिसका इंजतार 8 सालों से है।

■ रंगरोगन और अधूरे कार्यों को रेलवे ने किया पूरा

स्टेशनों में भव्य स्वागत की तैयारी

8 साल के लंबे इंतजार के बाद रायपुर से अभनपुर के बीच फिर ट्रेन चलेगी। इन ट्रेनों का स्टेशनों में भव्य स्वागत किया जाएगा। रेलवे इसकी तैयारी कर रहा है। यात्रियों को भी ट्रेन में सफर करने का इंतजार है। बता दें कि अटल नगर, उद्योग नगर और मुक्तांगन स्टेशन का काम अभी अधूरा है। इन तीनों स्टेशनों का निर्माण पूरा होने के बाद ही इस रूट पर ट्रेन रुकने लगेगी। समय सारणी में इन स्टेशनों का समय निर्धारित हो गया है। फिलहाल यहां ट्रेन नहीं रुकेगी।

आठ बोगी की चलेगी दो मेमू ट्रेन

समय सारणी के अनुसार ट्रेन रायपुर से सुबह 9:00 बजे रवाना होकर 9:37 मिनट पर अभनपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में आठ बोगी होगी। ट्रेन रायपुर से छूटकर मंदिर हसौद, उद्योग नगर, सीबीडी स्टेशन नया रायपुर, केंद्री स्टेशन में ठहरने के बाद अभनपुर पहुंचेगी। इसके अलावा अभनपुर से रायपुर के लिए दिन की पहली ट्रेन सुबह 10:20 बजे मिलेगी, जो रायपुर 11: 45 को पहुंच जाएगी। इसके बाद रायपुर से अभनपुर के लिए दूसरी ट्रेन 16:20 को रहेगी। वहीं अभनपुर से अंतिम ट्रेन रायपुर के लिए 18:10 को मिलेगी। बीच के स्टेशनों में 3 से 2 मिनट का ही स्टॉपेज रेलवे ने दिया है।

10 रुपए में यात्री पहुंच जाएंगे अभनपुर

रेलवे ने दो मेमू ट्रेन की समय सारणी भी जारी कर दी है, जिसके मुताबिक रायपुर से अभनपुर का सफर ट्रेन में एक घंटा 10 मिनट का होगा। वहीं सीबीडी स्टेशन यानी नया रायपुर पहुंचने में केवल 37 मिनट लगेगा। शहर से सिटी बस के जरिए नया रायपुर पहुंचने में 40 मिनट से अधिक का समय लग जाता है। ट्रेन से यात्रियों का समय और पैसा दोनों बचेगा। किराया 10 रुपए है। बता दें कि राज्योत्सव में ट्रेन का परिचालन शुरू करने की तैयारी थी, लेकिन जब रेलवे की टीम सीबीडी स्टेशन जांच करने पहुंची, तो उन्हें कुछ कमियां नजर आई थीं, जिसे ठीक कर दिया गया है। यात्री सुविधा से जुड़ी तकनीकी दिक्कतें दूर हो चुकी हैं।

रिटायर शिक्षक मेडिकल बिल की राशि पाने एक साल से लगा रहा शिक्षा विभाग के चक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शिक्षा विभाग से रिटायर हुए अमलेश्वर दुर्ग निवासी तरुण कुमार बघेल पिछले एक साल से मेडिकल बिल की राशि पाने के लिए शिक्षा विभाग के चक्कर लगा रहे हैं। तरुण बघेल ने आरोप लगाया है कि धरसींवा विकासखंड के तत्कालीन शिक्षा अधिकारी संजयपुरी गोस्वामी ने उनकी फाइल को बिना कारण के रोक दिया था, जिसके कारण उन्हें मेडिकल क्लेम की राशि भी मिल नहीं पा रही है।

मुख्यमंत्री जनदर्शन में की शिकायतः तरुण बघेल ने बताया कि वह शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला संलग्न शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरदहा से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि उसकी पत्नी और एक बेटे की बीमारी के कारण इलाज के दौरान मृत्यु हो चुकी है। वह भी बीमार था। उन्होंने अपना भी अस्पताल में इलाज कराया है। तीनों का अलग-अलग निजी अस्पताल में इलाज हुआ है, जिसका बिल लगाकर उन्होंने इलाज में खर्च हुई राशि पाने के लिए धरसींवा विकासखंड अधिकारी के समक्ष सारे दस्तावेजों के साथ मेडिकल बिल लगाया है। यह बिल करीब 5 लाख रुपए का है। इस बिल को पास कराने के लिए धरसींवा शिक्षा अधिकारी को संयुक्त संचालक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग को भेजा जाना था, लेकिन अब तक रिमेम्बर्स बिल को भेजा नहीं गया है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लगाए गए बिलों में कौन-कौन से बिल को स्वीकृति मिली है और कौन से बिल किस कारण से पास नहीं हुए हैं, इसकी जानकारी के लिए सूचना के अधिकार के तहत आवेदन भी लगाया है, जिसका जवाब समय-सीमा अवधि समाप्त होने पर भी नहीं दिया गया है।

वन अधिकार अधिनियम पर कार्यशाला कल

रायपुर। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा 'धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत वन अधिकार अधिनियम 2006 के बेहतर क्रियान्वयन विषय पर संबंधित विभागों एवं अशासकीय संस्थानों के मध्य परिचर्चा-परामर्श के लिए एफईएस एवं एटीआरईई संस्था के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला न्यू सर्किट हाऊस, सिविल लाइंस रायपुर में होगी। आदिम जाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव ने पत्र जारी कर सभी जिलों के सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग जिला परियोजना समन्वयक के साथ कार्यशाला में उपस्थित रहने कहा है।

जोगी ने दिवंगत पत्रकार चंद्राकर को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने बीजापुर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर के हत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री जोगी ने कहा, बस्तर के निर्भीक पत्रकार मुकेश चंद्राकर द्वारा जनता की आवाज उठाने और भ्रष्टाचार पर रिपोर्टिंग करने के कारण हत्या कर दी गई, जो वास्तव में स्तब्ध करने वाली घटना है। प्रदेश सरकार से निवेदन है, इस मामले में सभी दोषी आरोपियों को जघन्य कुकृत्य के कारण कठोरतम सजा दिलाए।

बिजनेस साइट

राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़

रायपुर। देशभर से आए प्रतिनिधियों के उत्पादों को देखने और खरीदने का मौका राजधानीवासियों को मिल रहा है। बीटीआई ग्राउंड शंकरनगर में 12 जनवरी तक चलने वाली खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में यह प्रदर्शनी आयोजित की गई है। दस दिवसीय इस आंचलिक स्तरीय खादी प्रदर्शनी में कुल 100 स्टॉल लगाए गए हैं। यहां खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शनी और बिक्री के लिए उपलब्ध है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ और अन्य प्रदेशों की खादी संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित शुद्ध कोसा की साड़ियों, सिल्क साड़ी, शर्टिंग, ड्रेस मटेरियल, रेडीमेड शर्ट, कुर्ता पायजामा, जैकेट, बेडशीट, दरी, लुंगी, गमछे आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। पीएमईजीपी ग्रामोद्योग के अंतर्गत ग्रामीण कारीगरों द्वारा तैयार किए गए अचार, पापड़, बड़ी, अगरबत्ती, शैंपू, साबून, आर्टिफिशियल फ्लॉवर, जूते, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, हर्बल उत्पाद, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, फर्नीचर, डेकोरेटिव सामग्री, मिट्टी से बने उत्पाद भी यहां उपलब्ध हैं।

■ विजिटर्स को 12 जनवरी तक देखने और खरीदने का मौका

2025 में मिल नहीं पाई सौगात, अब 2026 का इंतजार कलेक्टोरेट एवं तहसील की नई बिल्डिंग का अटका काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी वासियों के साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कलेक्टोरेट की पांच मंजिल नई कम्पोजिट बिल्डिंग और चार मंजिल की नई तहसील बिल्डिंग का अब एक वर्ष और इंतजार करना होगा। ये दोनों बिल्डिंग की सौगात नववर्ष 2025 के प्रारंभिक महीने में मिल जाना था, लेकिन प्रशासन के प्रयास में कमी के कारण इन दोनों बिल्डिंग का अब तक निर्माण कार्य तक शुरू नहीं हो पाया है। इन दोनों बिल्डिंग के निर्माण कार्य में एसपी भवन और पुरानी तहसील बिल्डिंग की शिफ्टिंग का काम रोड़ा बना हुआ है। जब तक एसपी भवन और तहसील बिल्डिंग खाली नहीं कराई जाएगी, जब तक नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य शुरू नहीं होगा। नववर्ष में अगर शिफ्टिंग के साथ निर्माण कार्य शुरू होता भी है, तो नई बिल्डिंग का कार्य पूर्ण में एक वर्ष से अधिक समय लग जाएगा, जिससे नई बिल्डिंग की सौगात वर्ष 2026 में ही मिल पाएगी।

29 करोड़ 15 लाख की लागत से बनना है सर्वसुविधायुक्त कम्पोजिट बिल्डिंग

पांच मंजिल कंपोजिट बिल्डिंग 29 करोड़ 15 लाख 24 हजार रुपए की लागत से बनेगी। यह बिल्डिंग 2555 वर्गमीटर एरिया में बनाई जाएगी। इसमें जिला प्रशासन की 582.00 वर्गमीटर और पुलिस प्रशासन की बिल्डिंग 800 वर्गमीटर एरिया में बनेगी। इस तरह 134 वर्गमीटर एरिया में अफसरों के दफ्तर बनाए जाएंगे।

पीडब्ल्यूडी को एसएसपी भवन के खाली होने का इंतजार

कलेक्टोरेट-एसएसपी की कम्पोजिट बिल्डिंग के निर्माण कार्य को स्वीकृति अप्रैल 2023 में दी गई थी। इस बिल्डिंग की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी विभाग को दी गई है। विभाग ने स्वीकृति मिलने के दो महीने के भीतर ही बिल्डिंग के निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया से लेकर डिजाइन सबकुछ तैयार कर लिया है, पर एसपी भवन की शिफ्टिंग इस काम में बाधा बनी हुई है, क्योंकि नई कम्पोजिट बिल्डिंग का निर्माण एसपी भवन की जगह किया जाना है। ऐसे में एसपी भवन को शिफ्ट करने के लिए प्रशासन को अब तक कोई दूसरा भवन मिल नहीं पाया है। प्रशासन ने एसपी भवन को शिफ्ट करने के लिए पूर्व में दो जगह को चिन्हांकित किया था, जिसमें एक सॉगोन बंगला और दूसरा सेंट्रल जेल रायपुर से लगा पुराना पुलिस ऑफिस भवन था। पुराना पुलिस ऑफिस भवन को किसी कारण से रिजेक्ट कर दिया गया था, वहीं सॉगोन बंगला को अन्य किसी कार्य के लिए शासन द्वारा आबंटित कर दिया गया है। इन दोनों के अलावा एसपी भवन को शिफ्ट करने के लिए कोई तीसरा भवन मिल नहीं पाया है।

भवन मिलने के बाद भी तहसील की शिफ्टिंग नहीं

तहसील कार्यालय के पुराने भवन को तोड़कर यहां पीडब्ल्यूडी 4 मंजिल नई बिल्डिंग का निर्माण करेगी। 11 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली बिल्डिंग का निर्माण कार्य भी तहसील के शिफ्टिंग के लिए रुका हुआ है। हालांकि तहसील को पुराने मंत्रालय स्थित पुराना नर्सेस हॉस्टल के खाली पड़े भवन में शिफ्टिंग को मंजूरी मिल चुकी है, जिसके लिए नर्सेस हॉस्टल भवन में काम भी शुरू कर दिया गया है, लेकिन पिछले कुछ हफ्ते से इस काम पर भी ब्रेक लगा हुआ है, जिसके कारण तहसील कार्यालय की शिफ्टिंग के साथ नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य भी अटका हुआ है। विदित हो कि कलेक्टोरेट की तीन मंजिल पुरानी बिल्डिंग और तहसील कार्यालय भवन दोनों जर्जर हो चुके हैं, जिसके कारण इन भवनों की दीवारों व छज्जों के प्लास्टर तक टूटकर गिरने लगे हैं। दोनों भवनों को तोड़कर उनकी जगह नई बिल्डिंग बननी है, इसे देखकर इन पुरानी बिल्डिंग व भवन का मेंटनेंस भी नहीं किया जा रहा है। यही नहीं, इन भवनों में आम लोगों के अलावा अधिकारी-कर्मचारियों को भी कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। जर्जर होने के कारण इन भवनों में कभी भी हादसा होने की भी संभावना बनी हुई है, जिससे जनहानि भी हो सकती है।

800 रुपए में चिकन बकेट बिरयानी के साथ मुफ्त उपहार

रायपुर। रायपुर के प्रसिद्ध मद्रासी रेस्टोरेंट ने नए साल के मौके पर एक शानदार ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत ग्राहक मात्र 800 रुपए में 'चिकन बकेट बिरयानी' खरीद सकते हैं, जो 4 से 5 व्यक्तियों के लिए पर्याप्त है। मद्रासी ग्रुप के डायरेक्टर शफीक भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष ऑफर के साथ ग्राहकों को शानदार उपहार भी मिलेंगे, जिनमें से एक पूर्ण तंदूरी चिकन, अलफहम चिकन या बारबेक्यू चिकन का विकल्प होगा। साथ ही 750 मिलीलीटर कोलड्रिंक (पेप्सी) और चार एग पीस भी दिए जाएंगे। यह विशेष ऑफर 12 जनवरी 2025 तक उपलब्ध रहेगा और यह ऑफर रायपुर स्थित मद्रासी रेस्टोरेंट की सभी शाखाओं पर लागू है। मद्रासी रेस्टोरेंट ने अपने स्वादिष्ट और विविध व्यंजनों के लिए एक खास पहचान बनाई है। इस ऑफर का लाभ उठाकर रायपुरियंस अपने परिवार और दोस्तों के साथ नए साल की खुशी दोगुनी कर सकते हैं।

■ मद्रासी रेस्टोरेंट ने पेश किया न्यू ईयर ऑफर

एमएम जूनियर स्कूल ने दिव्यांग छात्रों को दिया सहयोग

रायपुर। लुई ब्रेल की 216वीं जयंती के अवसर पर एमएम जूनियर स्कूल के निदेशक मयूर थौरानी ने शासकीय दृष्टि एवं श्रवण दिव्यांग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मठपुरैना को विशेष सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर स्कूल की प्राचार्य शिवानी तिवारी ने श्री थौरानी की ओर से दिव्यांग छात्रों को उपहार भेंट किए। ये उपहार छात्रों को प्रेरित करने और उनकी प्रतिभा को उजागर करने के उद्देश्य से दिए गए।

शिवानी तिवारी ने कहा कि हमारा स्कूल सभी वर्गों के छात्रों को शिक्षा देने में विश्वास रखता है। इस अवसर पर लुई ब्रेल की जयंती के मौके पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सबका ध्यान आकर्षित किया। दिव्यांग छात्रों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे सभी उपस्थित लोग प्रेरित हुए।

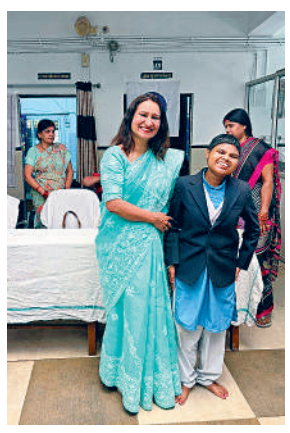

नगरीय निकाय अधिकारी कर्मचारी अधिवेशन कल

उप मुख्यमंत्री अरुण साव होंगे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी अधिवेशन का आयोजन 6 जनवरी को दोपहर 1 बजे राजधानी के बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम सभागार में किया जा रहा है। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रायपुर जिला प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। राजधानी में 6 जनवरी को छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें रायपुर नगर निगम कर्मचारी कल्याण संघ की कार्यकारी समिति के पदाधिकारियों सहित प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों व कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया है। अधिवेशन में आमंत्रित जन प्रतिनिधियों का सम्मान किया जायेगा।

■ बूढ़ापारा के इंडोर स्टेडियम में आयोजन

श्री बालाजी गारमेंट महासेल में एक से बढ़कर के कपड़े 99, 199 व 249 रुपए में

रायपुर। गढ़कलेवा के पास राजभवन गेट नंबर-3 के सामने घड़ी चौक स्थित गुरु तेगबहादुर हॉल में चल रहे श्री बालाजी रेडीमेड विंटर सेल को रायपुरियंस से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सेल में ब्रांडेड कपड़े होलसेल से भी कम रेट्स में उपलब्ध हैं। यहां हाफ, फुल और डाउन शोल्डर प्रिंटेड कॉटन शर्ट, जैकेट्स, बॉयज/गर्ल्स लैगिस और जीन्स सिर्फ 99, 199 और 249 रुपए में मिल रहे हैं। इसके अलावा 5000 से 6000 रुपए तक की कांजीपुरम, बनारसी, सिल्क, शिफॉन और जॉर्जेट साड़ियां मात्र 199 से 249 रुपए में उपलब्ध हैं। जीन्स, बैगी, स्टेट, कार्गो आदि सिर्फ 499 रुपए में बेचे जा रहे हैं। सबसे बड़ा ऑफर 100 रुपए में 6 विंटर टॉप्स हैं। इसके अलावा किड्सवेयर की भी वाइड रेंज उपलब्ध है।

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 5 जनवरी 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

देशी से ज्यादा विदेशी पक्षी लुभा रहे, ग्रे पैरेट और राजहंस की डिमांड भी

रंगबिरंगे पक्षियों को घर का सदस्य बनाना इन दिनों शहर में नया ट्रेंड बन चुका है। कुछ लोग घर में सुख-शांति, समृद्धि के लिए पक्षी पाल रहे हैं तो वहीं कई लोग अकेलापन दूर करने पक्षियों को अपना मित्र बना रहे हैं। इसके लिए घर में विशेष रूप से बड्र्स हाउस बनाए जा रहे हैं, जहां पक्षी पिंजरे में कैद न होकर आजादी के साथ रहते हैं। राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर हरिभूमि ने पक्षी प्रेमियों से और पेट शॉप दुकानों के संचालकों से पक्षियों की मांग के संबंध में बातचीत की।

घर की सुख-शांति बढ़ा रहे सफेद पक्षी, विदेशी तोते भी समझ रहे हिंदी और अंग्रेजी भाषा

रायपुर। पक्षी विक्रेताओं ने बताया कि घर में अब देशी तोते की जगह लोग अफ्रीकन प्रजाति का तोता रखने लगे हैं, जो बाजार में 3 हजार से 5 हजार तक मिल रहा है। फाफाडीह चौक स्थित एक पेट शॉप के संचालक फरदीन ने बताया कि अफ्रीकन तोते में समझने की शक्ति देशी से अधिक होती है। कम समय में व्यक्ति की बात को समझ लेता है। इसके अलावा शहर में कई ऐसी पक्षी प्रेमी हैं, जो उन्हें पिंजरे से आजाद कराने पहल कर रहे हैं। शिक्षक यशवंत साहू हर महीने अपनी सैलरी से पिंजरे से पक्षियों को रिहा करा रहे हैं। कुछ ऐसा ही काम शहर का बड्र्स फ्रेंड समूह भी कर रहा है। बाजार से पक्षी खरीदकर उन्हें जंगलों में रिहा कर नया जीवन दिया जा रहा है।

जोड़े में खरीद रहे चिड़िया ताकि न लगे अकेलापन

पक्षी प्रेमी अब घरों में एक चिड़िया नहीं रखकर जोड़े में रख रहे हैं, ताकि चिड़ियों को अकेलापन न लगे। इस वजह से अब दुकानों में कई प्रजाति के पक्षी जोड़े में मिल रहे हैं। इनमें सबसे अधिक मांग लव बड्र्स की है। ये दोनों एक ही रंग में नर और मादा होते हैं। बाजार में यह 300 से 400 में मिल रहे हैं। विक्रेता का कहना है कि लव बड्र्स और सफेद रंग के पक्षियों को घर में सुख-शांति, समृद्धि और वास्तु के अनुसार लोग खरीदते हैं। बाजार में बड़े पिंजरे भी आ चुके हैं, जिसमें कुछ मीटर चलने के साथ परिंदे छोटी उड़ान भी भर सकते हैं। दुकानदार का कहना है कि दो पक्षी होने से पक्षियों का भी अकेलापन खत्म हो जाता है। उनका स्वभाव हिंसक न होकर फ्रेंडली हो जाता है। इस वजह से अब घरों में तोते भी एक ही जगह दो रखने लगे हैं।

शहरियों की पसंद आस्ट्रेलियन और अफ्रीकन लव बर्ड

राष्ट्रीय पक्षी दिवस आज

हरिभूमि ने रविवार को राष्ट्रीय पक्षी दिवस के संबंध में शनिवार को बाजार में बिक रहे पक्षियों की प्रजाति का जायजा लिया। स्टेशन रोड स्थित केजीएन डॉग एंड बर्ड के सलमान शेख बताते हैं कि उनके दुकान में ग्राहक ज्यादातर विदेशी पक्षियों को खरीदने आते हैं। कौन से पक्षी ज्यादा बिकते हैं और उनके दाम कितने, इस सवाल पर सलमान बताते हैं, आस्ट्रेलियन व अफ्रीकन लव बर्ड को लोग ज्यादा पसंद करते हैं, इनकी कीमत क्रमशः जोड़ों में 400 से 500 व 2000 से 2200 रुपए हैं। वहीं अफ्रीकन ग्रे पैरेट भी लोगों की पसंद में शुमार है, जिसकी कीमत जोड़े में 2200 से 2500 रुपए तक है। सिंगापुर जावा पैरेट 900 से 1200 रुपए जोड़ी है। सबसे महंगे पक्षी की बात करें तो आस्ट्रेलियन टर्की और राजहंस 7000 रुपए जोड़ी है, वहीं अफ्रीकन पाइनएप्पल 4000 से 5000 रुपए जोड़ी है। सलमान बताते हैं कि देशी पैरेट की मांग न के बराबर है, लोगों को विदेशी पक्षी ही पसंद आ रहे हैं। अली बर्ड एंड डॉग सेंटर के मो. अली बताते हैं कि शहर के रहवासियों को विदेशी पक्षी रास आते हैं, देशी को बिल्कुल पूछते ही नहीं। उनके यहां से अफ्रीकन लव बर्ड की सबसे ज्यादा डिमांड है। वहीं अफ्रीकन कोकटिल व जावा और आस्ट्रेलियन बजरी की मांग भी ठीकठाक है, जिसकी कीमत क्रमशः 1800 से 2000, 500 से 600 व 400 से 500 रुपए है। ये पक्षी क्या खाते है, इस सवाल पर अली बताते हैं कि लोग देशी चना, सनफ्लॉवर व कोदो दाना खिलाते हैं। इसके अलावा ड्राई फ्रूट्स और मौसमी फल भी खिलाते हैं।

जन्मदिन पर पक्षियों को दिलाते हैं आजादी

शहर के युवाओं ने बड्र्स फ्रेंड के नाम से समूह बनाया है, जो अपने और परिचित के जन्मदिन पर पिंजरे में बंद पक्षियों को जंगलों में छोड़ते हैं। समूह से जुड़े आसान ने बताया कि यह कार्य बीते तीन सालों से कर रहे हैं। अभी तक 100 से अधिक छोटी व बड़ी चिड़िया बाजार में खरीदकर उन्हें पिंजरे से मुक्त कर चुके हैं। पहले यह समूह 6 लोगों का था, जो अब 60 लोगों का हो चुका है। चिड़ियों को नया जीवन देने परिवार के सदस्य भी मदद करते हैं। जन्मदिन पर हम लोगों को प्रेरित करते हैं कि वे पक्षियों को पिंजरे से रिहा करने में मदद करें।

सिटी इवेंट

सर्द रातों से बचाने युवा ओढ़ा रहे राहत का कंबल

रायपुर। दूरदराज से शहरों-गांवों के सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए आने वाले मरीजों के परिजनों को हर साल सर्द रातों से बचाने का दायित्व युवाओं का एक ग्रुप विगत 28 साल से निभा रहा है। युवाओं ने इस सेवा को पहले रेलवे स्टेशन क्षेत्र में खुले आसमां के नीचे सोने वाले लोगों के बीच शुरू किया था। तब इस संस्था से जुड़े तीन सौ से ज्यादा मेंबर्स ने तय किया था कि हम जन्मदिन, शादी की सालगिरह पर होने वाले खर्च के पैसों से हर साल कंबल खरीदेंगे, ताकि ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोगों को सर्द रातों की ठिठुरन से होने वाली पीड़ा से बचा सकें। युवाओं द्वारा यह सिलसिला अब भी जारी है।

इस साल 5 सौ से ज्यादा कंबल बांटे

संस्था अवाम ए हिंद सोशल वेलफेयर के संस्थापक मो. सज्जाद खान ने बताया कि इस सेवा कार्य के लिए किसी प्रकार का सहयोग नहीं लेते हैं। इस सरोकार को संस्था के युवा आपसी तालमेल से चला रहे हैं। हर साल एक हजार से ज्यादा लोगों तक कंबल पहुंचाने का प्रयास करते हैं। इस साल अभी तक 5 सौ से ज्यादा लोगों को कंबल उपलब्ध कराए है। दायित्व को राजेंद्र शर्मा, जाकिर हुसैन, महावीर जैन, जुबैर खान, फराज खान, राजकुमार साहू, वसीम अकरम, कुलविंदर सिंह निभाते हैं। किस क्षेत्र में सेवा देने जाएंगे, इसका सर्वे भी वे खुद करते हैं।

बस्तियों में भी जाते हैं युवा

युवाओं ने बताया कि संस्था अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मानव जीवन बचाने के लिए प्रयास कर रही है। इस कड़ी में साल के अंतिम महीने शीतकालीन ऋतु में सरकारी अस्पतालों में दूरदराज से इलाज कराने आने वाले मरीजों के परिजनों और फुटपाथ, झुग्गी बस्तियों मे जिंदगी बसर कर रहे गरीबों के बीच राहत देने के लिए हर साल जाते हैं। निराश्रित, वृद्धजनों को ठंड से बचाने गर्म कपड़े व कंबल देने की मुहिम जारी है।

टैलेंट शो में बच्चों ने टॉय रायफल से लगाया बैलून पर निशाना, व्यंजनों के स्टॉलों पर रही भीड़

रायपुर। माहेश्वरी महिला समिति और माहेश्वरी युवा मंडल महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को आशीर्वाद भवन बैरन बाजार में नेत्रहीन बालिकाओं के लिए एक चैरिटेबल इवेंट रखा गया। इस कार्निवल से जुटाई गई पूरी धनराशि नेत्रहीन बालिकाओं की आंखों के ऑपरेशन और उनकी संपूर्ण देखभाल जैसे दवाइयों, ऑपरेशन, चिकित्सा आदि में दिया गया। इस कार्यक्रम में नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लाइंड से आई बालिकाओं ने अपना हुनर दिखाया। स्पार्क-2025 का ध्येय इन बालिकाओं को नई रोशनी देकर उनके जीवन के अंधकार को मिटाकर नई दिशा देना है। मुख्य अतिथि अष्टविनायक रियलिटीज के ऑनर विक्की लोहाना और बाल गोपाल अस्पताल के चेयरपर्सन अशोक भट्टर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विधायक सुनील सोनी और गेस्ट ऑफ ऑनर कविता राठी भी मौजूद रहीं।

हैंपर मेकिंग काम्पिटीशन, टैलेंट शो देखने उमड़ी भीड़

महिलाओं के लिए हैंपर मेकिंग काम्पिटीशन का आयोजन किया गया। वहीं बच्चों के लिए टैलेंट शो आयोजित हुआ। इन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। गिफ्ट हैंपर प्रतियोगिता में धारा माहेश्वरी ने पहला, आरुषि सेठ ने दूसरा और अवनी राठी ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसमें निर्णायक की भूमिका में आप बेड लाइट कंपनी में एक्सपर्ट प्रियंका गुप्ता रहीं।

बच्चों ने खेल और बड़ों ने खरीदारी करने में पाई खुशी

इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। खाने का स्टॉल लगाने वाली सभी महिलाएं गृहिणी रहीं। इसके अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए लिए कई गेम्स के स्टॉल लगाए गए, जिसमें बच्चों के लिए सबसे ज्यादा आर्कषण का केंद्र टॉय रायफल से बैलून फोड़ना और टेडी बियर का कॉस्ट्यूम पहने व्यक्ति के साथ खेलना रहा। इसके अलावा पासा और काड्र्स खेलों का भी बच्चों ने खूब लुत्फ उठाया। वहीं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर खरीदारी कर अपना मन बहलाया। कार्यक्रम में सदर बाजार के सराफा व्यापारी अनोपचंद तिलोकचंद द्वारा व्हैंड तंबोला खेल भी आयोजन किया गया, जिसमें कई आकर्षक पुरस्कार रखे गए।

री-इमेजिनिंग हेल्थ बुक में शोध से जुड़ी देश-विदेश की जानकारी

रायपुर। एनआईटी परिसर में 'री-इमेजिनिंग हेल्थ' पुस्तक का विमोचन किया गया। इसमें उत्तम स्वास्थ्य सेवा की पारंपरिक और पश्चिमी मॉडलों की नवीन तकनीक के विषयों पर जोर दिया गया। किताब में महामारी के दौरान वैक्सीन विकास में चुनौतियां, रिसर्च एवं डेटा संचालित निर्णय में विद्यार्थियों की बढ़ोतरी जैसे अनेक विषयों की जानकारी साझा की। यह किताब एनआईटी के पूर्व छात्र डॉ. अनुराग प्रभाकर मैराल और सोनाली सुंदरी शिवहरे ने लिखी है। लेखन का मुख्य उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों को इनोवेटर्स की कहानियां साझा करना है, जो विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्वरूप कार्य करेगी। डॉ. अनुराग मैराल ने संबोधन में मेडटेक और फार्मास्युटिकल संबंधित नवाचार की जानकारी दी। कहा, पुस्तक में अमेरिका, चीन जैसे अन्य देशों के अनुसंधान अनुभव को भी लिखा गया है, इससे सभी देशों की शोध प्रणाली को सरलता से समझा जा सकता है। विमोचन के बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया।

छात्रों का अनोखा टैलेंट, स्वयं कविता लिखकर दी प्रस्तुति

संगीत के लिए मन की आंखों की आवश्यकता...

कार्नर न्यूज

रायपुर। 'विश्व ब्रेल दिवस पर प्रेरणा गुरुकुलम विद्यापीठम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लुईस ब्रेल जयंती समारोह में विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। स्कूल परिसर में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल कुचेरिया ने की। एक दिवसीय समारोह में नृत्य, गायन, नाटक एवं कविता की मनमोहक प्रस्तुति देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई से ज्वाइंट कमिश्नर आयकर विभाग रत्नेश शर्मा, विशिष्ट अतिथि राजधानी के आयकर विभाग से ज्वाइंट कमिश्नर धरमेन सिंह, प्राचार्य हेमलता मिश्रा रहीं। जो अपने संघर्षों से लड़कर दूसरों का जीवन आसान करे, उसे हम भगवान की उपाधि देते हैं। लुईस ब्रेल ने दृष्टिहीनों के जीवन को सरल बनाने के लिए ब्रेल लिपि तैयार की। जिसके आधार पर बच्चे शिक्षा प्राप्त कर प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्यरत है। वर्तमान में ब्लाइंड स्कूल के छात्र रेलवे, शासकीय कर्मचारी, प्रोफेसर जैसे अनेक पदों पर विभागों में सेवाएं दे रहे हैं। जो अन्य ब्लाइंड छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। यह कहना है नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के जिला सचिव डॉ. राकेश कामरान का, जिन्होंने दिव्य दृष्टि नामक किताब में ब्लाइंड लोगों के जीवन संबंधित विभिन्न चुनौतियों, सरकार द्वारा सहयोग एवं उनकी उन्नति को लिखने का प्रयास किया है।

नशामुक्ति पर नाटक का मंचन

हम जीवन भक्षक हैं, जो धीरे-धीरे सभी के जिंदगी को नष्ट कर देंगे, क्योंकि हम सबकी मौत का कारण हैं...नशामुक्ति नाटक के दौरान चार छात्राओं द्वारा सफल संदेश दिया गया। इसमें पीहू, अनु, पल्लवी, खुशबू और विधि विद्यार्थियों ने गुटखा, शराब, गांजा बनकर उनके नुकसान एवं सेवन से बीमारियों की जानकारी दी। कहा, नशा जीवन के लिए हानिकारक है, हमें नशा नहीं करना चाहिए। वर्तमान में लोग नशे के आदी होते जा रहे, जिससे विभिन्न लोगों की मृत्यु कम समय में हो जा रही है। खट्टे-मीठे चुटकुले एवं हास्य अंदाज में नाटक का मंचन किया गया, जिसे विद्यालय के शिक्षिका गरुवाली कन्नौजे और खिलेश्वरी मानिकपुरी द्वारा लिखा गया। पांच मिनट की प्रस्तुति के बाद समापन में उपस्थित दर्शकों को नशामुक्त जीवन जीने के लिए शपथ दिलाई गई।

दोस्तों संग थिरके नन्हे विद्यार्थी

मुख मुरली बजाए...सनन सनन जाए रे जिया गरबे की रात...होलिया में उड़े रे गुलाल...जैसे रीमिक्स गीतों पर दृष्टिहीन छात्राओं ने प्रस्तुति दी। शानदार प्रस्तुति के दौरान बच्चों का मनोबल बढ़ाने तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने अनोखे अंदाज में प्रस्तुति दी, जहां सभी के चेहरे पर मुस्कान देख दर्शकदीर्घा में बैठे छात्र भी झूम उठे।

दृष्टि दिव्यांगों की कलम शीर्षक पर कविता का मंचन

कक्षा 11वीं की छात्रा दुर्गेश्वरी वर्मा ने स्वयं लिखित कविता का मंचन किया। हास्य से भरपूर कविता की प्रस्तुति अद्वितीय अंदाज में दी गई। छात्रा ने कविता की पंक्ति के अनुसार हाथों के माध्यम से अपने भाव को पिरोया। कविता की शुरुआत कलम बहन कलम बहन, तुम मेरे साथ चलो... से की गई। कहा, परीक्षा में जब तक तुम नहीं दिखाओगी अपनी ताकत, तब मेरा नंबर कटेगा खटाखट-खटाखट..तकनीकी दुनिया के दौर में भी महत्व है तुम्हारा, सही राह पर चलना सिखाती हो तुम...कलम बहन...।

सिटी लाइव

शिक्षक समाज निर्माण का आधार विद्यार्थी की सफलता से होता है गर्व

रायपुर। शहर स्थित सप्रे स्कूल में शनिवार को परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और बेहतर संवाद कौशल को विकसित करना रहा। इस दौरान व्याख्याता के रूप में काउंसलर प्रतीक्षा नियोगी उपस्थित रहीं, जिन्होंने शिक्षकों का समाज में महत्व साझा किया। कहा, शिक्षक समाज निर्माण का आधार हैं, जिनके प्रयासों से लोगों को शिक्षित किया जाता है। विद्यार्थी जीवन में छात्रों को निस्वार्थ भाव से शिक्षित कर उनके सफल जीवन की तैयारी में सबसे अहम योगदान शिक्षकों का ही होता है, जो अपने विद्यार्थियों की सफलता पर सबसे अधिक गर्व महसूस करते हैं। उनके बेहतर मार्गदर्शन से एक कमजोर छात्र भी सफल व्यक्तियों की श्रेणी में शामिल हो जाता है।

विद्यार्थियों से रोजाना नए विषयों पर चर्चा करें

व्याख्यान सत्र में मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक जोर दिया गया। कहा, विद्यार्थियों को कक्षा में तनावमुक्त होकर पढ़ाई कराएं, विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों का जवाब आप गंभीरता से देते चलें। जिस प्रकार बड़े अपने व्यवसाय एवं कार्य को लेकर तनाव महसूस करते हैं, उसी तरह बच्चों में भी पढ़ाई को लेकर तनाव अधिक होता है। इस दौरान शिक्षक ही उनकी परेशानियों को कम करने का कार्य सरलता से कर सकते हैं। विद्यार्थियों से रोजाना नए विषय पर चर्चा करें, जिससे उनकी रुचि पढ़ाई में बनी रहे। विभिन्न सुझावों के साथ दो घंटे का व्याख्यान कार्य निरंतर जारी रहा।

धर्म लाइव

पाकिस्तान की 12 दिवसीय यात्रा शदाणी दरबार तीर्थ से जत्था रवाना

रायपुर। संत शदाणी नगर बोरियाकला स्थित पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ के अष्टम पीठाधीश्वर सतगुरु संत गोबिंदराम साहिब ने जत्थों का सिलसिला आरंभ किया था। दरबार तीर्थ के माध्यम से भारत-पाकिस्तान के मध्य हुए प्रोटोकॉल एग्रीमेंट के तहत हिंदू मंदिरों के दर्शन धर्मगुरु डॉ. संत युधिष्ठिर लाल शदाणी के नेतृत्व में 101 तीर्थयात्रियों का जत्था रायपुर से शनिवार को रात्रि 9.30 बजे हवाई मार्ग द्वारा दिल्ली होते हुए अमृतसर रवाना होकर रविवार को बॉर्डर क्रॉस करेगा। यह यात्रा पिछले 40 वर्षों से चल रही है। इस वर्ष जत्थे में भारत के 5 प्रदेशों से 51 पुरुष व 49 महिला यात्री हैं, जिसमें पथमेड़ा गायशाला की साध्वी श्रद्धा गोपाल, साध्वी अनुराधा गोपाल, संत एवं इस्कॉन टेम्पल मुंबई के प्रवचक भी जा रहे है। मुंबई, नागपुर, अहमदाबाद, दिल्ली, पुणे, जयपुर, अजमेर, राजकोट, इंदौर, भोपाल व रायपुर के कई विशिष्टिजन भी जत्थे में शामिल हैं।

साल होती है यह यात्रा होती

दरबार तीर्थ के सचिव उदय शदाणी ने बताया कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के माध्यम से हर वर्ष यह यात्रा होती आ रही है। शदाणी दरबार के माध्यम से 315 वर्ष प्राचीन मंदिर हयात पिताफी, वेद रचना स्थल मथेला, सक्खर के साधुबेला की तीर्थ यात्रा होती है। पुलिस प्रशासन का सहयोग व सुरक्षा मिलती है। वहां के शहरों की हिंदू पंचायतें व शदाणी श्रद्धालु मिलकर सांस्कृतिक प्रोग्राम व पाठ पूजा कलश यात्रा का भव्य कार्यक्रम रखते हैं। संत युधिष्ठिर लाल प्रतिवर्ष जाकर सामूहिक जनेऊ संस्कार व शुभ विवाह के कार्यक्रम कराते हैं, जिसका पुरा व्यय दरबार तीर्थ की ओर से किया जाता है। हर वर्ष लगभग 51 जनेऊ व 11 विवाह कराए जाते हैं, जिन्हें घरेलू उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उपहार में दी जाती हैं। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए भागवत कथा, कलश यात्रा, ज्ञान चर्चा, हवन, यज्ञ व ध्वजारोहण के कार्यक्रम आदि किए जाते हैं। दरबार तीर्थ के संस्थापक शिव अवतारी सतगुरु संत शदाराम साहिब का 316वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

समाज इवेंट

संस्कृति दिवस पर लगा छत्तीसगढ़ का स्टॉल, परोसा पारंपरिक फरा और चीला

रायपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर संस्कृत दिवस का आयोजन सीएमआर कॉलेज तेलंगाना में किया गया था। कॉलेज में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने देश की विभिन्न संस्कृतियों एवं प्रादेशिक परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए अनेक स्टॉल लगाए। जिसमें छत्तीसगढ़ को प्रमोट करने विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति को दर्शाने पारंपरिक व्यंजनों के साथ फरा और चीला का स्टॉल पारंपरिक वेषभूषा में स्टॉल लगाया। जिसकी सभी ने सराहना की। दक्षिण भारत की विभिन्न परंपराओं के साथ-साथ विभिन्न धर्मों से स्टॉल को सजाया गया। हिंदू, मुस्लिम, ईसाई संस्कृति का परिचय इन स्टालों में दिया गया।

गेड़ी नृत्य कर दिखाई संस्कृति

छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा व मंदिरों की विरासत को भी प्रमुखता से दिखाया गया। छत्तीसगढ़ के स्टाल में गेड़ी को प्रदर्शित करते हुए छत्तीसगढ़ के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचय प्रस्तुत किया गया। छत्तीसगढ़ के व्यंजनों में फरहा और चीला विशेष रूप से परोसे गए। यह स्टॉल संकाय समन्वयक डॉ. मोनिका आर्य, डॉ. प्रवीण चौकसे के निर्देशन में प्रणव और वैभव और अंकित ने तैयार किया था। कार्यक्रम में पहुंचे छत्तीसगढ़ के डॉ. अजय आर्य ने कहा गेड़ी और फरहा को देखकर महसूस हुआ कि हम छत्तीसगढ़ से बहुत दूर नहीं है। यहां बच्चों को अतिथियों को पारंपरिक वेशभूषा में देखकर बहुत खुशी हो रही है। सीएमआर इंजीनियरिंग कॉलेज के सचिव और सी एच शैलम रेड्डी के साथ विभिन्न गणमान्य जनों ने स्टालों में लगी प्रदर्शनी को देखा तथा सराहा।

● गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर खालसाई शान से निकला सिख समाज, कई जगह स्वागत

गुरुपथ संगत के बीच आकर्षक झांकी, नगर कीर्तन में शौर्य प्रदर्शन देख थमे लोगों के पांव

शहर के तेलीबांधा स्थित गुरुद्वारे में दोपहर से ही नगर कीर्तन की तैयारी में समाज प्रमुख एवं युवाओं का दल जुटा हुआ था। शाम 4 बजे विधि-विधान से पंज प्यारों की अगवाई में गुरुग्रंथ साहिब पालकी पर श्रद्धा का केंद्र रहे। इनके साथ चल रहे कीर्तन जत्थे ने जहां आस्था का संचार किया, वहीं गुरु गोविंद सिंहजी के 359वें प्रकाश पर्व पर अमृतसर से आए गतका दल ने भी हैरतअंगेज कला का प्रदर्शन करते हुए राहगीरों को ठहरने के लिए विवश किया।

रायपुर। आते-जाते लोग मोबाइल में शौर्य प्रदर्शन के दृश्य यादगार पल का हिस्सा बनाते नजर आए। यह सिलसिला श्याम नगर से पंडरी गुरुद्वारे के बीच देखने को मिला। इसमें सिख समाज का उत्साह भी देखने लायक था। हर किसी ने इस आयोजन को सफल बनाने और नगर कीर्तन से राहगीरों को परेशानी से बचाने का हरसंभव प्रयास युवाओं ने किया।

बोले सो निहाल... की रही गूंज

छत्तीसगढ़ सिख काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि गुरु गोविंद सिंहजी के प्रकाश पर्व पर तैयार झांकी में बाज को जीवंत बताया गया है। इससे पहले तेलीबांधा गुरुद्वारे के सामने आतिशबाजी करते हुए नगर कीर्तन शोभायात्रा आगे बढ़ा। शहीद भगत सिंह चौक सहित मुख्य मार्ग से पालकी संग गुरुग्रंथ साहिब व इनके साथ चल रहे समाज के लोग रात 8 बजे पंडरी स्थित गुरुद्वारा पहुंचे। जहां खालसाई शानो-शौकत के साथ गुरुग्रंथ साहिब की अगवाई के बाद बोले सो निहाल से गुरुद्वारा परिसर गुंजायमान हुआ। इससे पहले व्यवस्था की कमान त्रिलोचन सिंह, दलजीत चावला के साथ छत्रपाल भामरा और परमजीत सिंह दत्ता ने संभाली।

कहते हैं सफेद बाज का रक्षक

पवित्र श्री गुरुग्रंथ साहिब को फूलों की पालकी में सजाकर नगर कीर्तन शोभायात्रा निकाली गई। जगह-जगह स्वागत और प्रसाद का वितरण भी किया गया। नगर कीर्तन में सिख काउंसिल द्वारा तैयार झांकी आकर्षण का केंद्र रही। झांकी में श्री गुरु गोविंद सिंहजी का बड़ा कटआउट इस बार आकर्षण का केंद्र भी रहा। गुरुजी के हाथ में हमेशा रहने वाले बाज को दिखाया गया था। बाज को खालसा का प्रतिनिधि माना जाता है। बाज द्वारा दिखाए गए गुणों को अमूल्य माना जाता है। गुरु गोविंद सिंह ने अपने बाज का नाम रुस्तम रखा था। इस बाज के कारण उनको चिट्टियां बाजा वाला या सफेद बाज का रक्षक कहा जाता था।

लाठी, तलवार संग गतका चालन

अमृतसर से प्रदर्शन करने आए युवाओं के दल ने शनिवार की शाम नगर कीर्तन के बीच चौंका देने वाले करतब दिखाए। इसमें युवाओं ने गतका चालन के साथ ही लाठी और तलवारबाजी करते हुए हर किसी को दो पक्षों के बीच चल रही लड़ाई के दृश्य को बखूबी प्रदर्शित किया। आने-जाने वाले लोग इस वजह से भी ठहरे, चूंकि उन्हें लड़ाई जैसे ही हालात नजर आए। बात समझ में आने पर लोगों ने लम्हे को मोबाइल में कैद किया। जयघोष करते चल रहे जत्थे का केनाल रोड, खासला स्कूल के पास स्वागत किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर राम मंदिरों में उत्सव का माहौल

रामलला को पहनाएंगे नए वस्त्र, दिनभर धार्मिक अनुष्ठान भी

रायपुर। श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूर्ण होने जा रहा है। वर्षगांठ को खास बनाने के लिए शहर के राम मंदिरों में भी तैयारी की जा रही। बीते वर्ष 22 जनवरी को मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। अयोध्या की तर्ज पर शहर के मंदिरों एवं चौक-चौराहों पर भी वर्षगांठ उत्सव मनाया जाएगा। तिथि अनुसार मंदिरों में पूजन, श्रृंगार, भोग-भंडार एवं अभिषेक किया जाएगा। इस वर्ष शहर स्थित जैतूसाव मठ, दूधाधारी मठ, गोपीदास मंदिर, महादेव स्थित राम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। जहां दिनभर धार्मिक अनुष्ठान का क्रम जारी रहेगा। इस अवसर पर आम शहरवासियों की भीड़ मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी।

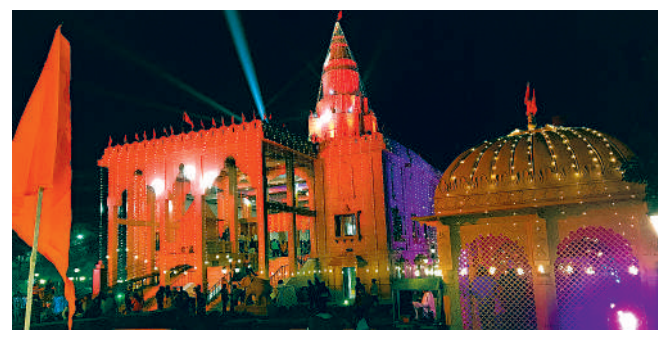

जन्मोत्सव की तरह श्रृंगार

मठपुरैना स्थित दूधाधारी मठ से राम छवि ने बताया, सुबह से मठ परिसर में पूजन कार्य प्रारंभ रहेंगे। वहीं संध्या आरती के बाद भजन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान लोकप्रिय भजन मंडली को आमंत्रित किया जाएगा। श्रीराम के जन्मोत्सव की तरह श्रृंगार किया जाएगा, जिसमें चांदी के मुकुट, पायल, बाली, हार एवं अन्य आभूषण धारण कराए जाएंगे।

वर्षगांठ पर मालपुआ राजभोग अर्पित

पुरानी बस्ती स्थित गोपी दास मंदिर के महंत राजीव शरण ने बताया, तिथि अनुसार 22 जनवरी को मंदिर में महोत्सव की तैयार जारी है। इस अवसर पर वृंदावन की पोशाक एवं स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर में सुबह अभिषेक के बाद महाआरती की जाएगी, इस दिन मालपुआ और राजभोग तैयार कर विशेष रूप से अर्पित किया जाएगा।

देर रात तक उमड़ेगी भक्तों की भीड़

महादेवघाट स्थित राम मंदिर के अध्यक्ष अजय निषाद ने बताया, सुबह से मंदिर प्रांगण में पूजा की जाएगी। इस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन के लिए पहुंचेगी। सुबह से देर रात तक मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खुले रहेंगे। जैतूसाव मठ से अजय तिवारी ने बताया, आचार्य एवं ब्राह्मणों की उपस्थिति में पूजन प्रारंभ किया जाएगा। सुबह मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया जाएगा, विशेष श्रृंगार के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए कपाट खोल दिए जाएंगे। इस अवसर पर भगवान की प्रतिमाओं के लिए नवीन चमकदार पोशाक तैयार की जा रही है।

परिवार के बुजुर्ग देवता स्वरूप जीवन में इनका आशीर्वाद जरूरी

रायपुर। जीवन में सबसे पहले गुरु माता-पिता और दूसरा गुरु सद्गुरु को कहा गया है। अपने माता और पिता को भरपूर सम्मान दें और उनका ध्यान रखें। परिवार में माता-पिता सहित सभी बड़े बुजुर्गो का ख्याल रखने वाले घरों में पितरों की असीम कृपा होती है। बुजुर्गों का आशिर्वाद लेकर बहादुरों की जिंदगी जिये न कि कायरों की तरह। जीवन जीने की कला सिखाते हुए यह गूढ़ बातें सुधांशु महाराज ने शनिवार को सत्संग को दौरान कही। विश्व जागृति मिशन मंडल द्वारा जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर में आयोजित चार दिवसीय शिव ज्ञान गंगा महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को सुधांशु महाराज ने परिवार के बुजुर्गों को देव स्वरुप बताया। शाम के सत्र में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने व्यास पीठ पर प्रवचनकर्ता सुधांशु महाराज का आर्शीवाद लिया। प्रवचन के तीसरे दिन भी कड़कड़ाती ठंड के बीच लोग कथा सुनने उमड़ पड़े। उनके बैठने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ रही है। विश्व जागृति मिशन भिलाई दुर्ग मण्डल द्वारा विगत दो दिनों से जयंती स्टेडियम में चल रहे चार दिवसीय शिव ज्ञान गंगा महोत्सव के तीसरे दिन सुधांशु महाराज का मंच पर स्वागत और अभिनन्दन समिति के सदस्यों द्वारा किया गया।

गुरु के प्रति रहे समर्पित सुधांशु महाराज

सत्संग के दौरान सुधांशु महाराज ने कहा कि पहले गुरु माता और पिता लेकिन दूसरा गुरु सद्गुरु को कहा गया है। जीवन में अनुशासन से रहना सभी को आना चाहिए, गुरु का होकर समर्पण करें। हर दिन गुरु के अमृत वचनों को सुनकर अपने जीवन को जागृत करें, समाज के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि बहादुरों की जिंदगी जिएं, न कि कायरों की तरह। सुधांशु महाराज ने कहा कि अपने माता और पिता को भरपूर सम्मान दें और उनका ध्यान रखें। माता-पिता को ख्याल रखने वाले घरों में पितरों की असीम कृपा होती है। कार्यक्रम में विधायक रिकेश सेन और समाजसेवी चतुर्भुज राठी ने सुधांशु महाराज के सत्संग का लाभ लेकर आशीर्वाद लिया।

● जैनम मानस में जारी श्रीमद भागवत कथा में रमेश भाई ओझा के प्रवचन सुनने उमड़ी भीड़

भागवत संसार के भय को मिटाने और भक्ति को बढ़ाने वाला ग्रंथ, जीवन में बिना विश्वास भक्ति संभव नहीं

कार्नर न्यूज

रायपुर। संसार में परमात्मा के अलावा और कुछ नहीं है, लेकिन अज्ञानरूपी अंधकार से जब तक जीव भाग रहा है, भय बना रहता है। जीवन में अशांति जब तक रहेगी, तब तक सुख नहीं हो सकता। भागवत संसार के भय को मिटाने और भक्ति को बढ़ाने वाला ग्रंथ है। जिसने तत्व को जान लिया, ज्ञान और विवेक आ गया, उनके जीवन से भय मिट जाएगा। बिना विश्वास भक्ति संभव नहीं। खुद को भगवान के प्रति समर्पित कर दो। जैनम मानस भवन में चल रही कथा के तीसरे दिन कथावाचक रमेशभाई ओझा ने यह बात श्रोताओं के बीच कही।

भागवत ग्रंथों में राजा है। पाप रूपी मृग कथा सुनकर भागते हैं। आदिनारायण ने ब्रह्माजी, ब्रह्माजी ने नारद, नारदजी ने वेदव्यास और वेदव्यासजी ने इस कथा को आगे बढ़ाते हुए सुकदेव, सुकदेव ने राजा परीक्षित और आखिर में उन्होने सप्तऋषियों को भागवत प्रसंग सुनाया है। पाप और पुण्य का प्रवेश यहीं होता है। अच्छा और बुरा यहीं सुनते और देखते हैं। इसलिए मंदिर में जाओ तो दर्शन करो, कथा में जाओ तो श्रवण करो।

भक्ति प्रसंग पर झूमे श्रद्धालु

प्रसंग से जुड़े भक्ति गीतों की प्रस्तुति देते हैं। उनकी टीम ने जब उनके साथ सुर मिलाया कि...देना हो तो दीजिए-जनम जनम का साथ, मेरे सिर पर रख दे गिरधारी-अपने दोनों हाथ.., चाहे जैसे हो रख बनवारी, ओ मेरे गिरधारी..जय हो..., जैसे भजनों की बीच राधे कृष्ण, राधे कृष्ण की गूंज कथास्थल पर रही। इस कथा में हर वर्ग के श्रोता शामिल हो रहे हैं। इसके लिए लोग रोज दोपहर से ही व्यवस्था का हिस्सा बनकर कथा सुनते हैं।

जिसने जीवन के लिए लक्ष्य तय किया, वह जीव नहीं भटकता

जिसने जीवन के लिए लक्ष्य तय किया है। ऐसे जीव अपने काम में ही लगे रहते हैं। वह कहीं पर भी इधर-उधर भटकते नहीं और लक्ष्य तक पहुंच जाते हैं। लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीव जब अपने काम में पूरी तरह से रम जाता है तो उसके विरुद्ध दुष्प्रचार भी होता है। उसके

बारे में लोग न जाने क्या-क्या बातें करते और अफवाहें फैलाते हैं। वास्तव में जीव जब लक्ष्य को प्राप्त करने में रमा होता है तो मर्यादाओं, अपने गुरु और माता-पिता को नहीं भूलता। महाराजा अग्रसेन कॉलेज में श्री रामकिंकर विचार मिशन के मैथिलीशरण भाईजी ने यह बात रामचरित मानस कथा में श्रोताओं के बीच कही। भाईजी ने आगे कहा कि यह प्रेम की अद्वितीयता है, जिसमें जीव पूरी तरह से खो जाता है। जिस प्रकार से मां अपने पुत्र के स्नेह और प्रेम में इस प्रकार डूबी रहती है कि उसे अपना पुत्र दिखाई देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि वह पति, माता-पिता या अन्य सगे संबंधियों को भूल गई। केंद्र में केवल उसके पुत्र का प्रेम मोह होता है। मानस के गूढ़तम प्रसंगों में एक मां श्री सीताजी के दिव्य स्वरूप अद्वैतरूपी शक्ति स्वरूपा के प्रसंग पर उक्त बातें भाईजी ने बताई।

सिटी स्पोर्ट्स

सीनियर नेशनल ऑर्बिटर बनने आज परीक्षा देंगे शतरंज के माहिर

रायपुर। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ को सीनियर नेशनल आर्बिटर सेमिनार एवं एग्जामिनेशन का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। जिसके तहत होटल ग्रैंड इंपीरिया में सीनियर नेशनल ऑर्बिटर सेमिनार व एग्जाम का उद्घाटन शनिवार को अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के कोषाध्यक्ष,दक्षिण एशियाई शतरंज कौंसिल के अध्यक्ष, इंटरनेशनल आर्बिटर व फिडे लेक्चरर धर्मेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी ने की। इस दौरान विशेष अतिथि इंटरनेशनल मास्टर अक्षत खंपरिया, विशेष सहयोगी अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर अलंकार भिवगडे व अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर अनीस अंसारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि धर्मेंद कुमार ने इस सेमिनार को विश्व स्तर का बताते हुए आयोजन के लिए प्रदेश शतरंज संघ की सराहना की तथा भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी। उक्त सेमिनार का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर के योग्य निर्णायक तैयार करना है जो अपने राज्य में आयोजित प्रतियोगिताओ का सुचारू व उत्कृष्ट ढंग से संपादित कर सके।

4 एवं 5 जनवरी को जारी दो दिवसीय सेमिनार में 4 राज्यों आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश,झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के 52 प्रतिभागी भाग ले रहे है। जिसमें 12 महिला प्रतिभागी शामिल है। उक्त सेमिनार में फिडे लॉ ऑफ चेस, कामपीटीशन रूल , रेटिंग रेगुलेशन व कैलकुलेशन, टाइब्रेक रेगुलेशन, आर्बिटर टाइटल रेगुलेशन, टूर्नामेंट सिस्टम , स्विस पेयरिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उसके बाद 5 जनवरी को 2 बजे से आर्बिटर एग्जाम का आयोजन किया जाएगा। जो प्रतिभागी एग्जाम को उत्तीर्ण करेंगे उसे सीनियर नेशनल ऑर्बिटर का टाइटल प्रदान किया जाएगा। सेमिनार में अतिथियों का स्वागत छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सह सचिव शशांक शेंडे/ बस्तर/ ईश्वर सिंह राजपूत/ दुर्ग/ सुबोध कुमार सिंह/मुंगेली/ नवीन शुक्ला सचिव रायपुर जिला शतरंज संघ, सीनियर नेशनल ऑर्बिटर, हर्ष शर्मा, शुभम बसोंने,अनिल शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश शतरंज संघ सचिव विकास शर्मा ने किया।

नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का समापन आज

रायपुर। वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग इंडिया एसोसिएशन छत्तीसगढ़ एवं रायपुर डिस्ट्रिक्ट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन 3 से 5 जनवरी तक बूढ़ेश्वर मंदिर भवन बूढ़ा तालाब में किया जा रहा है। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार ने बताया कि प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि दक्षिण विधान सभा रायपुर के विधायक सुनील सोनी ने किया। विशेष अतिथि नगर निगम रायपुर पार्षद कामिनी देवांगन, सरपंच पाटन श्रवण ठाकुर, किशोर महानंद महामंत्री बीजेपी और रूपेश राहंगडाले बीजेपी नेता ने किया। प्रतियोगिता का समापन 5 जनवरी को को होगा। जिसमें मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल सांसद लोक सभा रायपुर, विशेष अतिथि संजय शर्मा वीर हनुमान सिंह अवॉर्डी, जैतू साव मठ के अध्यक्ष रेवाराम यदु दत्तात्रेय मंदिर के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल, बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के आजीवन अध्यक्ष शिव मोहन शुक्ला एवं वरिष्ठ बॉडी बिल्डर कांग्रेस नेता दिलीप सिंह चौहान होंगे।

नेशनल पिकलबाल में छत्तीसगढ़ की सुहानी ने जीता दोहरा खिताब

रायपुर। ऑल इंडिया पिकलबाल एसोसिएशन के तत्वाधान मे पिकलबाल एसोसिएशन ऑफ़ ओडिशा द्वारा आरवायपी नेशनल पिकलबाल रैंकिंग टूर्नामेंट का आयोजन 3 से 5 जनवरी तक भुवनेश्वर में किया जा रहा है। दस लाख इनामी राशि की प्रतियोगिता के पहले दिन छत्तीसगढ़ की सुहानी पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर 16 सिंगल के फाइनल मे प्रवेश किया। फाइनल मे सुहानी ने महाराष्ट्र की अंजलि पाल को 15-10 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इससे पूर्व सुहानी ने अंडर-18 सिंगल्स मे भी कांस्य पदक जीता। राज्य ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया एवं स्टेट पिकलबाल एसोसिएशन के महासचिव रूपेंद्र सिंह चौहान ने खिलाड़ियो को बधाई दी है।

हर साल जनवरी में मनाया जाता है 'थायराइड जागरूकता माह'

थायराइड की दवाई ले रहे हैं तो बरतें सावधानी सही तरीका और समय का भी रखना होगा ध्यान

अनियमित दिनचर्या और तनावपूर्ण जीवन शैली के चलते थायराइड की समस्या आजकल आम हो चुकी है। देखा जाए तो दिन पर दिन जितनी अधिक मेडिकल सुविधाएं बढ़ती जा रही हैं, वहीं थायराइड से पीड़ित लोगों की दवाइयों के सेवन पर निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।

दरअसल, इसकी वजह थायराइड के संबंध में सही जानकारी का अभाव है। असल में लोग या तो सही समय पर थायराइड की समस्या की पहचान नहीं कर पाते हैं या फिर दवाईयों के सेवन को लेकर लापरवाही बरतते हैं। नतीजन उन्हें इन दवाईयों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में थायराइड के बारे में लोगों में जागरूकता बेहद जरूरी है। थायराइड के दवाईयों के सेवन से जुड़ी कुछ सावधानियों के बारे में आपको जानना जरूरी है ताकि आप इन गलतियों से बच सकें। गौरतलब है कि हर साल जनवरी का महीना 'थायराइड जागरूकता माह' के रूप में मनाया जाता है। इस बार भी जनवरी में 'थायराइड जागरूकता माह' के तहत, थायराइड को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दिशा में जानिए थायराइड की दवा लेने के सही समय और सही तरीका।

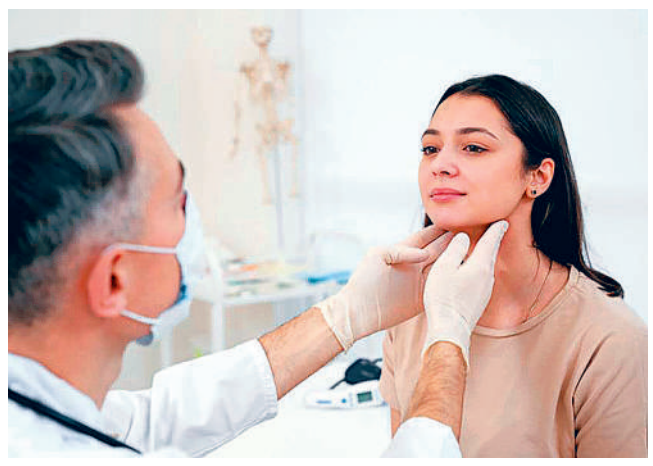

कैसे काम करती है थायराइड की दवा?

थायराइड की दवाई को लेकर जुड़ी सावधानियों को जानने से पहले आपको ये जानना चाहिए कि यह किस तरह से काम करती है। आपको बता दें कि थायराइड एक तरह से एक हार्मोनल असंतुलन की स्थिति है, जिसमें गले में मौजूद थायराइड ग्लैंड से थायराइड हार्मोन का अनियंत्रित स्त्राव होता है। इस स्थिति में या तो थायराइड हार्मोन का स्त्राव कम हो जाता है या बढ़ जाता है। वहीं इस हार्मोनल बदलाव का हमारी सेहत पर नकारात्मक असर होता है, जिसके कारण थकान और अनियंत्रित वजन की समस्या पेश आती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर थायराइड हार्मोन को संतुलित करने के लिए दवा की सलाह देते हैं। यह दवा आपके शरीर में थायराइड हार्मोन को संतुलित करने का काम करती है, जिससे आप थायराइड हार्मोन के असंतुलन से होने वाले दुष्प्रभावों से बच सकें। गौरतलब है कि थायराइड के रोगी को यह दवा हर रोज लेनी होती है, ताकि पूरी तरह से थायराइड हार्मोन के असंतुलन पर नियंत्रण पाया जा सके। अब उन सावधानियों के बारे में जान लेते हैं, जो इस दवा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है।

दवा की डोज का खास ध्यान रखें

थायराइड के रोगी को नियमित अंतराल पर अपनी थायराइड की जांच करानी चाहिए और उसके अनुसार ही डॉक्टर की सलाह पर दवा की डोज लेनी चाहिए। दरअसल, डॉक्टर आपके शरीर में थायराइड के स्तर को ध्यान में रखते हुए डोज निर्धारित करते हैं। इसलिए खुद से दवा की डोज कभी निर्धारित न करें।

दवा के सेवन के समय का ध्यान रखें

थायराइड की दवा से जुड़ी सबसे बड़ी सावधानी इसके सेवन के समय का ध्यान रखना है। दरअसल, थायराइड की दवा सुबह के वक्त खाली पेट खाने की सलाह दी जाती है ताकि ये बॉडी में अच्छी तरह से अब्जॉर्ब हो सके।

दवा लेने के बाद आधे घंटे तक कुछ न खाएं

थायराइड की दवा लेते इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए इस दवा के सेवन के आधे घंटे बाद तक आप कुछ न खाएं। दवा के सेवन के आधे घंटे बाद ही आप चाय या नाश्ता ले सकते हैं।

चाय या कॉफी के साथ इसका सेवन न करें

इसके साथ ही ध्यान रहे कि थायराइड की दवा का सेवन हमेशा सादे पानी के साथ करना चाहिए। थायराइड की दवा को कभी भी चाय या कॉफी के साथ नहीं लेना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से इस दवा का प्रभाव कम हो सकता है। थायराइड की दवा के सेवन के दौरान नियमितता बेहद जरूरी है... आपको हर रोज नियमित रूप से इसका सेवन करना होता है।

घर की सीढ़ियों के नीचे मंदिर होना शुभ या अशुभ, जानिए

वास्तु शास्त्र में घर के अंदर सीढ़ियों का होना उचित नहीं माना गया है। अगर घर में सीढ़ियां हों तो वास्तु शास्त्र में उन चीजों का उल्लेख मिलता है जिन्हें सीढ़ियों के नीचे नहीं रखना या बनवाना चाहिए।

वास्तु शास्त्र में घर के अंदर सीढ़ियों का होना उचित नहीं माना गया है। हालांकि आज के समय में ज्यादातर घरों में अंदर की तरफ ही सीढ़ियां बनी हुई हैं। वहीं, अगर घर में सीढ़ियां हों तो वास्तु शास्त्र में उन चीजों का उल्लेख मिलता है जिन्हें सीढ़ियों के नीचे नहीं रखना या बनवाना चाहिए। इसी कड़ी में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से जानेंगे कि क्या सीढ़ियों के नीचे मंदिर रख सकते हैं या बनवाना सही है।

क्या घर की सीढ़ियों के नीचे मंदिर रख सकते हैं?

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में मौजूद सीढ़ियों के नीचे मंदिर (मंदिर जाने का लाभ) नहीं होना चाहिए। यह घर के लिए बहुत अशुभ होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सीढ़ियों पर हम चढ़कर जाते हैं यानी कि हामरे पैर सीढ़ियों पर पड़ते हैं।

अगर मंदिर ठीक सीढ़ियों के नीचे होगा तो सीढ़ियों पर पैर रखना यह दर्शायेगा कि आपका पैर मंदिर के ऊपर जो उचित नहीं है। घर का मंदिर हमेशा ऐसी जगह होना चाहिए जहां से मंदिर या तो आपके सामने पड़े या आपके ऊपर पड़े।

अगर मंदिर आपके नीचे की ओर पड़ रहा है तो घर में नकारात्मकता को जन्म देता है। साथ ही, सीढ़ियों के नीचे मंदिर होने से घर में पारिवारिक क्लेश (पारिवारिक क्लेश दूर करने के उपाय) उत्पन्न होता है और ग्रह दोष से जुड़े संकेत भी घर में दिखाई देने लग जाते हैं। सीढ़ियों के नीचे मंदिर होने से घर में वास्तु दोष उत्पन्न होता है जो घर के सदस्यों की सफलता में बाधक बनता है। साथ ही, घर के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य पर भी इसका गहरा असर पड़ने लग जाता है।

सीढ़ियों के नीचे मंदिर अगर है तो कोशिश कीजिये कि उस स्थान से मंदिर तुड़वा कर घर की पूर्व दिशा में मंदिर बनवाएं। अगर यह मुमकिन नहीं तो आप मंदिर खरीदकर उसे पूर्व दिशा में रखें और भगवान की स्थापना करें।

अगर आपके घर में भी मंदिर सीढ़ियों के नीचे बना हुआ है तो इस लेख में दी गई जानकारी के माद्यम से यह जान लें कि घर की सीढ़ियों के नीचे मंदिर होना सही है या गलत और इस बारे में क्या कहता है वास्तु शास्त्र।

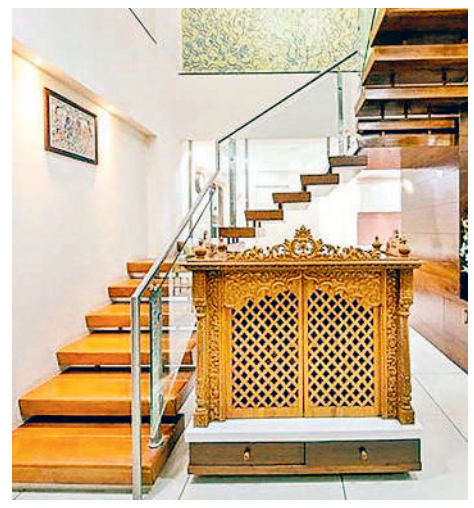

वॉटरफॉल पेंटिंग लगाते समय नहीं करनी चाहिए ये वास्तु मिसटेक्स

वॉटरफॉल पेंटिंग देखने में बेहद ही खूबसूरत लगती हैं। लोग इन पेंटिंग्स को अपने घर में लगाना पसंद करते हैं। हालांकि, वॉटरफॉल पेंटिंग लगाते समय आपको कुछ वास्तु मिसटेक्स से बचना चाहिए। अपने घर को सजाने के लिए हम सभी तरह-तरह की पेंटिंग का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। घर के अलग-अलग हिस्सों में तरह-तरह की पेंटिंग्स लगाई जाती हैं। कुछ लोग नेचर लवर होते हैं और इसलिए उन्हें वॉटरफॉल पेंटिंग लगाना काफी अच्छा लगता है। वॉटरफॉल पेंटिंग में जब पानी बहता हुआ दिखता है, तो वह बेहद ही खूबसूरत लगता है।

घर में वॉटरफॉल पेंटिंग लगाने में कोई समस्या नहीं है। बस जरूरत है कि आप उसे सही तरह से लगाएं। अगर वॉटरफॉल पेंटिंग को गलत दिशा में इस्तेमाल किया जाता है तो यह आपके लिए नेगेटिविटी का कारण भी बन सकता है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको वॉटरफॉल पेंटिंग लगाने से जुड़ी कुछ वास्तु मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं

उत्तर दिशा के मध्य में लगाएं

यूं तो आपको घर में वॉटरफॉल पेंटिंग लगाने से बचना चाहिए। लेकिन अगर आप इसे लगाना ही चाहते हैं तो ऐसे में दिशा का खासतौर पर ध्यान रखें। कुछ लोग वॉटरफॉल पेंटिंग को स्पेस के अनुसार कहीं पर भी लगा देते हैं, जबकि यह सही नहीं माना जाता है। हमेशा वॉटरफॉल पेंटिंग को उत्तर दिशा के मध्य में लगाएं।

लगाएं वॉटर फाउंटेन

अगर आपको पानी से जुड़ी कोई पेंटिंग अपने घर में लगानी है तो आप कोशिश करें कि आप वॉटरफॉल की जगह वाटर फाउंटेन की पेंटिंग अपने घर में लगाएं। वॉटर फाउंटेन में पानी नीचे से ऊपर की ओर जाता है। यह देखने में भी अच्छा लगता है और एक पॉजिटिविटी भी लाता है। इस तरह की पेंटिंग को आप उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। इसे आप उत्तर के मध्य से लेकर पूर्व के मध्य में लगाएं। कभी भी आप इसे दक्षिण-पश्चिम में नहीं लगाना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व का कोना

वॉटरफॉल या वॉटर फाउंटेन की पेंटिंग को भूल से भी दक्षिण-पूर्व दिशा के कोने में नहीं लगाना चाहिए। अगर इस दिशा में वॉटरफॉल पेंटिंग को लगाया जाता है तो इससे आपको धन की हानि की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

तिल से बनाएं ये अलग-अलग डिश

मकर संक्रांति का त्योहार आने वाला है, इस पर्व में लोग तिल से बनी चीजों से मुंह मीठा करते हैं। यदि आप भी तिल के लड्डू और चिक्की से बोर हो गए हैं, तो इस साल तिल के इन अनोखी चीजों से करें मुंह मीठा।

सर्दियों का मौसम चल रहा है साथ ही जनवरी में हम सभी का फेवरेट मकर संक्रांति का त्योहार आने वाला है। इस त्योहार में खासतौर पर तिल से बनी चीजों से मुंह मीठा किया जाता है। आमतौर पर घरों में लोग तिल से लड्डू और गजक बनाकर मुंह मीठा करते हैं। ऐसे में यदि आप इस साल तिल से बनी कुछ अलग और स्वादिष्ट चीज से अपने रिश्तेदार और मेहमानों का मुंह मीठा करना चाह रहे हैं, तो आज हम आपके लिए कुछ खास और स्वादिष्ट तिल की रेसिपी लाए हैं। यह तीनों ही रेसिपी लड्डू और गजक से अलग है। आपके घरवालों के अलावा आपके मेहमानों को ये तीनों रेसिपी पसंद आने वाली है।

तिल रेवड़ी: घर पर रेवड़ी बनाने के लिए तिल को साफ करें और धूप में सुखा लें। गुड़ को पैन में पिघलाकर चाशनी बनालें। एक तरफ साफ तिल को भूनकर ठंडा कर लें। चाशनी में घी, इलायची पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स करें। साथ ही इसमें तिल डालकर अच्छे से मिक्स करें। रेवड़ी का मिश्रण तैयार है, झटपट रेवड़ी बनाएं और ठंडा कर खाने के लिए सर्व करें। तिल की रेवड़ी को आप गुड़ के अलावा चीनी से भी बना सकती हैं।

तिल बर्फी: तिल बर्फी बनाने के लिए तिल को पहले रोस्ट करें और मिक्सी में दरदरा पीस लें। एक पैन में चीनी और एक कप पानी डालकर एक तार वाली चाशनी बना लें। चाशनी बन जाए तो उसमें मावा मिलाकर अच्छे से फेंटते हुए मिक्स करें और आखिर में तिल मिला लें। तिल मिलाने के बाद बढ़िया खुशबू के लिए इलायची पाउडर डालकर बर्फी को एक ट्रे में घी लगाकर फैला लें। ठंडा होने के बाद तिल की बर्फी को मनचाहे आकार में काटकर खाने के लिए सर्व करें।

तिल पोली : तिल की पोली बनाना बहुत आसान है इसके लिए पहले तिल को भूनकर पीस लें। अब तिल पाउडर में गुड़ मिलाकर अच्छे से मिला लें। पोली बनाने के लिए मैदा और नमक डालकर गूंथ लें।

अपना मकसद पाने के लिए खुद को ऐसे करें तैयार, अपनाइए कुछ आसान तरीके

आप वो काम ही चुनें जो आपको पसंद है। दरअसल बेमन से चुना गया काम करने की कोशिश आप खुद ही नहीं करना चाहेंगे।
इसलिए उस काम से जुड़ा ध्येय बनाइए जिसे करना आपको बहुत पसंद है। आप उसे पूरे ऊर्जा से करना चाहेंगे। खुद को दो स्थितियों में महसूस कीजिए। ये वो स्थितियां हैं जिसमें आप काम न करने के परिणाम महसूस करेंगे और करने के परिणाम भी जानें। जैसे आप सोचें कि ये एक प्रोजेक्ट पूरा करके आप दूसरे बड़े प्रोजेक्ट में कमाल कर सकते हैं। जबकि ये काम नहीं करेंगे तो बिल्कुल ही पीछे ही रह जाएंगे। ये तुलना आपको बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी।आप अपने मकसद की ओर जब कदम बढ़ाएंगे तो निश्चित ही एक दिन आपको परिणाम भी मिलेगा। वो परिणाम कैसा होगा? इस बात का जवाब खुद से पूछिए। पूछिए कि आप वो परिणाम पाकर कैसा महसूस करेंगे और आपकी जिंदगी कैसे बदल जाएगी।

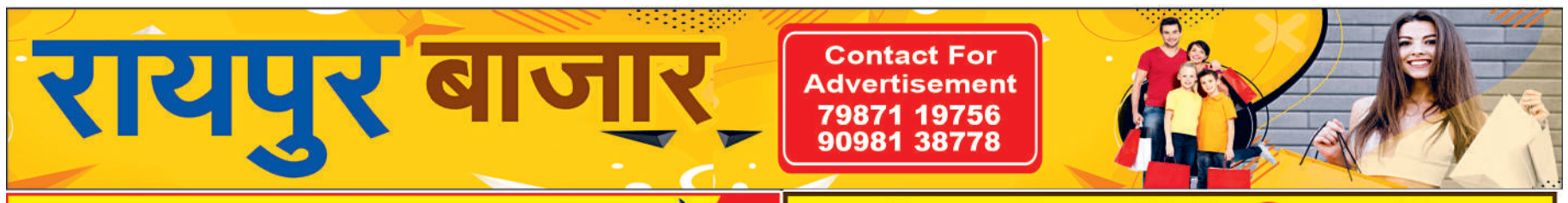

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'गोल्डन ग्लोब्स 2025' के प्रस्तुकर्ताओं में 'वंडर वुमन'का नाम हुआ शामिल

'गोल्डन ग्लोब्स 2025' समारोह में पुरस्कार प्रस्तुतकर्ताओं में इजरायली अभिनेत्री गैल गैडोट का नाम भी शामिल किया गया है। इस समारोह में उनके साथ 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी के उनके को-स्टार्स भी शिरकत करेंगे। इस साल 5 जनवरी, रविवार को 'गोल्डन ग्लोब्स 2025' समारोह आयोजित किया जाएगा। इस साल के पुरस्कार प्रस्तुतकर्ताओं में इजरायली अभिनेत्री गैल गैडोट का नाम भी शामिल है। एक्ट्रेस मार्वेल की 'वंडर वुमन' के नाम से भी प्रशंसकों के बीच मशहूर हैं। वह 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी का भी हिस्सा रही हैं। गोल्डन ग्लोब्स फाउंडेशन और सीबीएस ने घोषणा की कि 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी को-स्टार्स विन डीजल, ड्वेन जॉनसन के साथ गैल गैडोट भी शामिल होंगी।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी के ये तीनों अभिनेता एक साथ दिखाई देंगे। गैल गैडोट ने हाल ही में खुलासा किया था कि मार्च 2024 में अपनी बेटी को जन्म देने से पहले उनके मस्तिष्क में रक्त के थक्के के लिए उनकी आपातकालीन सर्जरी हुई थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म 'स्नो व्हाइट' के प्रचार के लिए शामिल होंगी। इस पुरस्कार समारोह में भाग लेने वाले अभिनेता ड्वेन जॉनसन को हाल ही में ऑली क्रावल्हो के साथ 'मोआना 2' में देखा गया था। अब दोनों को ग्लोब्स प्रस्तुतकर्ता के रूप में भी बुक किया गया है। शायद उन्हें उनके कैरेक्टर्स माउई और मोआना की तरह ही जोड़ा जाएगा, जो फिल्म में एक साथ हैं। वहीं, विन डीजल अभी प्रमोशनल टूर पर नहीं हैं, लेकिन वह 2026 में 'फास्ट एक्सः पार्ट 2' में गैडोट और जॉनसन के साथ अभिनय करेंगे।

टॉलीवुड

राम चरण ने गेम चेंजर के लिए फीस में की कटौती, डबल रोल के लिए मेहरबानी

पैन इंडिया सुपरस्टार राम चरण इन दिनों अपनी आगामी पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म गेम चेंजर को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इस साल 10 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, फिल्म को लेकर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। आइए आपको बताते है कि फिल्म गेम चेंजर के लिए राम चरण के अलावा कियारा आडवाणी ने कितनी रकम वसूल की है। राजनीतिक ड्रामा फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है, लेकिन उससे पहले आपको बताते है कि फिल्म गेम चेंजर में डबल रोल निभा रहे राम चरण ने इस फिल्म के लिए कितनी फीस वसूल की है। साथ ही फिल्म की लीड हीरोइन कियारा आडवाणी को फिल्म के लिए कितनी रकम मिली है। आरआरआर की अपार सफलता के बाद, राम चरण कथित तौर पर एक फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं, लेकिन फिल्म गेम चेंजर की रिलीज में देरी की वजह से राम चरण ने आगामी फिल्म के लिए भुगतान में कटौती करने के लिए सहमत हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म गेम चेंजर के मूल समय सीमा को पूरा करने में विफल होने के बाद राम चरण ने अपने वेतन में कटौती की है। फिल्म की रिलीज में काफी देरी की वजह से अभिनेता को 65 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। एस शंकर ने फिल्म के लिए निर्देशन के लिए सिर्फ 35 करोड़ रुपये लिए, जबकि कियारा आडवाणी को कथित तौर पर 5 से 7 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।गेम चेंजर को 450 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट पर बनाया गया है, जिसमें से 75 करोड़ रुपये फिल्म के चार गानों पर खर्च किए गए हैं। फिल्म के आधिकारिक संगीत भागीदारों ने बाद में एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें चार गानों के लिए चौंका देने वाली राशि को सही ठहराया गया। संगीत लेबल, सारेगामा ने खुलासा किया कि सभी चार गाने, जिसमें जरागांडी, रा माचा माचा, नाना हयाना और धोप सेटों के साथ बड़े पैमाने पर बनाए गए थे।

भोजपुरी

समाज में फैले रंगभेद का जवाब खोजती 'करियट्ठी' का ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री-निर्माता नीतू चंद्रा ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नितिन नीरा चंद्रा की निर्देशित अपनी बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'करियट्ठी' का ट्रेलर जारी कर दिया है। जैसा कि टाइटल से पता चलता है, फिल्म की कहानी त्वचा के रंग के भेदभाव और कन्या भ्रूण हत्या के अलावा कई सामाजिक मुद्दों के बारे में है। फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग ट्रेलर की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर रंग और कन्या भ्रूण हत्या पर केंद्रित एक कथा बुनती है। देखने में बेहद खूबसूरत पोस्टर एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है, जो दर्शकों को समाज की इस सच्चाई से रूबरू कराएगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि एक परिवार में लड़की पैदा होती है। पैदा होते ही उसकी मां कहती है कि क्या कहूं मैं ब्राह्मण के घर ये काली लड़की पैदा हुई है। इसे लेकर उसके पिता और बाकी रिश्तेदार भी काफी चिंतित दिखते हैं। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि जैसे-जैसे वह बड़ी होती है। हर कोई उसे 'करियट्ठी' के नाम से बुलाता है। हालांकि, वो लड़की पढ़ने और गाने में काफी तेज भी होती है, लेकिन समाज उसे हर वक्त यह महसूस कराता है कि वह काली है। कई लोग उसे गोरा रंग करने के नुस्खे भी बताते हैं। अंत में वह खुद से सवाल करती है कि क्या काला रंग होना कोई अपराध है। समाज काले रंग के व्यक्ति को इतनी हीन नजरों से क्यों देखता है।

विंटर शो की तैयारी

लाइफ स्टाइल

पेरिस फैशन वीक में फॉल विंटर फैशन वीक 21 जनवरी से 26 जनवरी तक होना है। यहाँ शीर्ष डिज़ाइनर इन ठंड के महीनों के लिए अपने खास कलेक्शन पेश करेंगे। मॉडल भी इसके लिए तैयारी कर रहे हैं। फैशन वीक की तैयारी में जुटे दो मॉडल यहां नजर आ रहे हैं।

सर्दियों में अपना चेहरा धोने करें कुदरती पहल, दमकती त्वचा के साथ मिलेगी तारीफ

सर्दी के मौसम में त्वचा के लिए तमाम तरह के प्रोडक्ट होते हैं, जो त्वचा का अच्छी तरह से ध्यान रखते हैं लेकिन इसके बाद भी बहुत से लोग घरेलू नुस्खों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आपको बेसन देखने को ना मिले। ऐसे मे आप आसानी से बेसन का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा को दमका सकते हैं।

इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस बेसन के साथ गुलाब जल और दही को अच्छे से मिलाना है। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर 4 से 5 मिनट के लिए लगाएं और फिर चेहरे को साफ कर लें। इसके बाद आपकी त्वचा खिल उठेगी। सर्दियों में आपके स्किन की नमी कहीं खो जाती है। ऐसे में अगर आप शहद को अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व आपके चेहरे को चमकाने का काम करेंगे।

अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने चेहरे को हल्का सा गीला कर लें। इसके बाद थोड़ा सा शहद हाथ में लेकर अपने चेहरे पर लगाएं। कुछ देर इसे चेहरे की मसाज करने के बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें। टमाटर सर्दियों के मौसम में काफी ज्यादा सस्ते मिल जाते हैं। ऐसे में आप चेहरा चमकाने के लिए आप टमाटर के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व आपकी काफी मदद करेंगे। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं तो सबसे पहले टमाटर का रस निकालें और फिर इसे रुई की मदद से इसे चेहरे पर लगा लें। 5 से 7 मिनट के बाद आप चेहरे को धो सकते हैं।

इस मौसम में खूब भायेगा मखमली कुर्ता, आजमा कर देखिए

ठंड के इस मौसम में आम तौर पर कपड़ों को लेकर पुरुषों के पास तो ज्यादा ऑप्शन नहीं होते लेकिन महिलाएं बहुत सा विकल्प रखती हैं। इस मौसम में अगर आप भी कुछ ऐसा पहनने का सोच रहीं हैं, जिसे पहनकर आप खूबसूरत भी लगें और आपको ठंड भी ना लगे तो वेलवेट यानि मखमली सूट आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हरे रंग का कुर्ता

हरा रंग पूजा में पहनने के लिए वैसे भी काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में आप एक्ट्रेस प्रिया वॉरियर के जैसा मखमली कुर्ता अपने लिए तैयार करवा सकती हैं। इस कुर्ते के साथ आप स्लीक स्टाइल में जूड़ा बना सकती हैं।

लाल कुर्ता

मखमली लाल कुर्ता प्लाजो के साथ अगर आप पहनेंगी तो आप कंफर्टेबल भी रहेंगी और आपका लुक भी काफी खूबसूरत दिखेगा। आप चाहें तो अभी से इसे तैयार करा सकती हैं।

डीप पर्पल सूट

आप चाहें तो डीप पर्पल रंग का मखमली फैब्रिक का सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। ग्लैमरस लुक के लिए आप इस कुर्ते का गला आगे से थोड़ा डीप करा सकती हैं। इसकी स्लीव का डिजाइन भी अगर आप थोड़ा हटकर बनवाएंगी तो आपका लुक खूबसूरत दिखेगा।

नई दुल्हन के लिए

इस मौसम में आप मखमली अनारकली सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। मखमली फैब्रिक में अनारकली सूट काफी खूबसूरत दिखता है।

रॉयल लुक देगा रॉयल ब्लू

अगर आप शाही लुक कैरी करना चाहती हैं तो रॉयल ब्लू रंग का सूट आपको खूबसूरत दिखने में मदद करेगा। आप इसके साथ अलग रंग का दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।

पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट बनवाते समय रखें इन बातों का खास ख्याल, मिलेगा परफेक्ट लुक

रोजाना से लेकर पार्टी या शादी तक में हम सलवार सूट को पहनना पसंद करते हैं। इसके कई डिजाइंस आपको मार्केट में नजर आ जाएंगे। वहीं लोहड़ी का त्योहार आने वाला है और इस मौके पर खासकर पंजाबी स्टाइल के सलवार-सूट को पहना जाता है। ज्यादातर इन सलवार-सूट को रेडीमेड की जगह सिलवाया जाता है। सूट को स्टाइल करने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से इसे सिलवाना बेहद जरूरी होता है। तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ आसान टिप्स जिनकी मदद से आप आसानी से पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट सिल्वा सकती हैं और अपने लुक को परफेक्ट बना सकती हैं।

सलवार सिलवाते समय रखें इन बातों का खास ख्याल

आजकल सिंपल से सिंपल लुक में भी सलवार के लिए आपको इसके कई डिजाइंस आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन सलवार बनवाने के लिए आपको इसकी लेंथ से लेकर बनवाई गई कलियों तक का खास ख्याल रखना जरूरी होता है ताकि आपकी बॉडी शेप परफेक्ट तरीके से डिफाइन हो सके। वहीं आप चौड़े पौंचे वाली सलवार बनवा सकते हैं। यह काफी चलन में आजकल नजर आ रही है।

सूट की लेंथ को वैसे तो पंजाबी स्टाइल में शॉर्ट ही रखा जाता है, लेकिन जरूरी नहीं है कि आप भी इसे बिल्कुल ही शॉर्ट बनवाये बल्कि आप सूट की लेंथ को अपनी बॉडी शेप के हिसाब से कस्टमाइज कर घुटने तक का भी बनवा सकती हैं और इसका घेरा भी आप अपनी वेस्ट के हिसाब से बड़ा या छोटा करवा सकती हैं। पंजाबी लुक में खासकर पटियाला सलवार को पहनना पसंद किया जाता है।बालों के लिए आप परांदी की मदद लेकर ब्रेड हेयर स्टाइल बना सकती हैं।

अपने बाल धोते वक्त कभी न करें ये गलतियां

आज के समय में बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और खराब खानपान की वजह से लोगों के साथ कई तरह की समस्याएं सामने आ रहीं हैं। वैसे तो बाल झड़ने की कई वजह हो सकती हैं, लेकिन इनमें सबसे अहम है गलत तरह से बालों का धोना।

बालों को ज्यादा तेज गर्म पानी से धोना उन्हें डैमेज कर सकता है और सिर की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में हमेशा बालों को ठंडे या गुनगुने पानी से धोना ज्यादा सही माना जाता है। अगर आप ज्यादा मात्रा में शैंपू का इस्तेमाल करेंगे तो इससे भी आपके बाल डैमेज हो सकते हैं। डैमेज होने के बाद बाल काफी ज्यादा मात्रा में टूटने लगते हैं। ऐसे में हमेशा अपने हेयर टाइप के हिसाब से ही शैंपू चुनें और उसका इस्तेमाल भी सही मात्रा में करें।

बाल बेहद नाजुक होते हैं। ऐसे में आप अपने बालों को धोने वक्त ज्यादा तेज ना रगड़े। इससे बाल कमजोर हो जाते हैं और तेजी से झड़ने लगते हैं। अगर आप हर रोज बाल धोते हैं, तो ये भी आपके बालों को कमजोर बनाता है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा हफ्ते में तीन बार ही बालों को धोएं, तभी आपके बाल मजबूत बनेंगे। हेयर कंडीशनर को कभी बालों की जड़ों में नहीं लगाया जाता है। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे बाल जड़ से कमजोर होने लगते हैं।

कार्नर न्यूज

कोट की असल लंबाई और फिटिंग जानिए इन फैशन टिप्स के साथ

मेंस फैशन का अटूट हिस्सा है कोट इसे जरूर बनाइए खास पार्टी की शान

कोट पहनने का शौक आपको है और पार्टी वगैरह में तो आप बस सूट ही पहनते हैं तो आपको इसकी सही लेंथ और फिटिंग के बारे में भी पता होना चाहिए। ताकि कोट के साथ आपको परफेक्ट लुक मिल सके। दरअसल सूट अगर फिटिंग का न हो और इसकी लंबाई अगर ठीक न हो तो लुक बिगड़ सकता है।

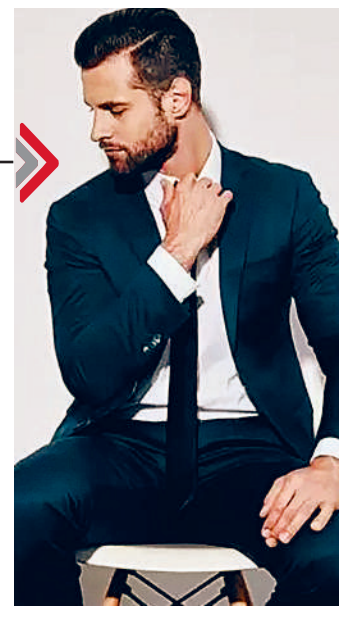

सबसे पहले टाई पर हो ध्यान

कोट की सही लेंथ जानने और लुक में शामिल करने से पहले आपको अपनी टाई की लंबाई पर ध्यान देना होगा। इसकी लेंथ न ज्यादा छोटी और न ज्यादा बड़ी होनी चाहिए। टिप ये है कि टाई की लंबाई पैंट की बेल्ट तक होनी चाहिए।

सूट लेंथ हो बैलेंस

सूट की लेंथ ऐसी होनी चाहिए कि आपकी ऊपरी और निचली बॉडी में बैलेंस दिखे। इसलिए सूट की जैकेट की लंबाई कमर से थोडा नीचे होनी चाहिए। अगर आपकी लंबाई 5'9" से ज्यादा है तो इसकी लेंथ थोड़ी और लम्बी भी हो सकती है।

अगर बाहें इतनी दिख रही हैं तो

आपके सूट की सही लंबाई नापने का एक तरीका और है। इसके लिए देखिए आपकी शर्ट कि बाहें सूट की बाहों से करीब आधे इंच दिख रही हैं या नहीं। अगर ये नहीं दिख रही हैं तो या तो जैकेट ज्यादा लंबी है या बांहें ज्यादा छोटी हैं।

ओवेरकोट पहन रहे हैं तो

अगर आप ओवरकोट पहनना चाहते हैं तो इसकी लेंथ पर भी आपको ध्यान देना होगा। इसकी लंबाई हमेशा घुटनों से ऊपर होनी चहिए।

कॉलर से जांचिए लंबाई

कॉलर से भी ये पता लगाया जा सकता है कि कोट आपके लिए सही लेंथ और फिटिंग का है या नहीं। सूट की कॉलर शर्ट की कॉलर से ठीक पीछे होनी चाहिए। इसके साथ शर्ट का कॉलर भी ठीक गर्दन से लगा होना चाहिए। ये तीनों आपस में हल्के से टच होने चाहिए। अगर ये गैप ज्यादा है तो सूट फिटिंग का बिल्कुल नहीं है।